22 वर्ष

घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 05- बुधवार 05- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

माई-बहिन योजना का एकमुश्त 30 हजार देंगे : तेजस्वी यादव

पटना,04 नवम्बर 2025। पटना में तेजस्वी यादव ने मंगलवार (4 नवंबर) को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ऐलान किया कि अगर हमारी सरकार बनती है तो माई बहिन योजना के तहत एक साल की पूरी राशि 30 हजार रुपए एक साथ महिलाओं के खाते में भेजेंगे। माई बहिन योजना के तहत राजद ने महीने में ढाई हजार देने का वादा किया है। तेजस्वी ने कहा,'सरकार बनने के बाद 14 जनवरी को हमारी सरकार एक साल का पैसा एक साथ देगी,ताकि महिलाओं को इसका फायदा हो सके। साथ ही जीविका दीदी कम्युनिटी मोबलाइजर को स्थायी करेंगे। उन्हें 2 हजार हर महीने देंगे।' पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सहरसा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिले में 3 जनसभाओं को संबोधित किया। चुनावी सभाओं में उन्होंने कई बड़े वादों का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'महागठबंधन की सरकार बनने पर हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। इसके साथ ही 'माय बहन योजना' के तहत हर परिवार की महिला के खाते में 30 हजार रुपए भेजे जाएंगे।' तेजस्वी यादव ने घोषणा की कि महागठबंधन की सरकार बनने के बाद 14 जनवरी 2026 को महिलाओं के बैंक खातों में यह राशि भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना बिहार की महिलाओं को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम होगा। साथ ही उन्होंने किसानों को खेती के लिए मुफ्त बिजली देने का भी वादा किया।

नीतीश जी जा रहे हैं और तेजस्वी आ रहे हैं : अशोक गहलोत

पटना,04 नवम्बर 2025। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बिहार के वरिष्ठ चुनाव पर्यवेक्षक अशोक गहलोत ने कहा है कि बिहार की जनता की आवाज से ऐसा लग रहा है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार जा रही है और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है। राजधानी पटना में मंगलवार को प्रेस वार्ता के दौरान अशोक अशोक गहलोत ने तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन को मौका देने क़ी बिहार के मतदाताओं से अपील क़ी। उन्होंने कहा कि आप एक मौका दीजिए नौजवान को,क्योंकि एक नौजवान आएगा, तो उसको चिंता रहेगी भविष्य की, 20 साल तक आपने नीतीश जी को देख लिया। अब आप तेजस्वी को देखेंगे, तो वो जो वादे किए आपसे, उन वादों को निभाने की उन्हें चिंता रहेगी। तेजस्वी को इस बात की चिंता रहेगी कि इस चुनाव में किए वादों को निभाउंगा,तभी आगामी चुनावों में भी प्रदेश की जनता का आशीर्वाद मिलेगा। गहलोत ने महागठबंधन द्वारा किए प्रमुख वादों को भी सबके सामने रखा और राजस्थान में उनके कार्यकाल में लाई गई 'चिरंजीवी योजना' की विशेषताओं का बिहार में महागठबंधन के घोषणा पत्र में शामिल होने का जिक्र किया।

बिहार में जब सरकार बदलेगी,तो यूपी में भी सरकार बदलेगी:अखिलेश यादव

पटना,04 नवम्बर 2025। बिहार में रोहतास जिला के दिनारा में महागठबंधन के घटक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के उम्मीदवार राजेश यादव के समर्थन में मंगलवार को चुनाव प्रचार करने पहुंचे उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर हमला किया। दिनारा विधानसभा क्षेत्र से राजद के उम्मीदवार राजेश यादव के लिए समर्थन मांगते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ वाले को वह अच्छी तरह से जानते हैं और बिहार में जब सरकार बदलेगी, तो उत्तर प्रदेश में भी सरकार बदलेगी। जब उत्तर प्रदेश में सरकार बदलेगी, तो उनका बुलडोजर भी हम लोग छीन लेंगे, क्योंकि बुलडोजर में दिमाग नहीं होता है। उन्होंने कहा कि इस बार बिहार में भाजपा की हार होगी और बिहार से भाजपा को भगाने की जरूरत है।

आबादी सेना को कंट्रोल करती है : राहुल गांधी

औरंगाबाद में कहा...90 फीसदी आबादी पिछड़ी जातियों की,उनकी हिस्सेदारी कहीं नहीं

औरंगाबाद,04 नवम्बर 2025। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार (4 नवंबर) को औरंगाबाद के कुटुंबा में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के लिए चुनाव प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय सेना देश की 10 प्रतिशत आबादी के नियंत्रण में है। उन्होंने यह दावा ऊंची जातियों के संदर्भ में किया। जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा,'अगर आप गौर से देखें, तो देश की 90 प्रतिशत आबादीदलित,महादलित,पिछड़ी,अति पिछड़ी या अल्पसंख्यक समुदायों से है। 90 प्रतिशत लोग समाज के सबसे पिछड़े और आदिवासी तबके से आते हैं। अगर आप भारत की 500 सबसे बड़ी कंपनियों की सूची निकालें, तो आपको पिछड़े या दलित समुदायों का कोई भी व्यक्ति वहां नहीं मिलेगा। वे सभी शीर्ष 10 प्रतिशत से आते हैं। सभी नौकरियां उन्हीं के पास जाती हैं। सशस्त्र बलों पर उनका नियंत्रण है। आपको शेष 90 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व कहीं नहीं मिलेगा।'

वोट चोरी नहीं हुई तो महागठबंधन बनाएगी सरकार

इसके बाद उन्होंने गयाजी में जनसभा की। राहुल गांधी ने संविधान दिखाते हुए कहा कि इसमें लिखा है कि एक व्यक्ति को एक वोट मिलना चाहिए। मोदी और शाह इलेक्शन कमीशन के साथ मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं। मोदी ने कहा था कि अब की बार 400 पार, नहीं हुआ। अगर वोट चोरी नहीं होता तो इंडिया गठबंधन की सरकार दिल्ली में होती। बिहार में ऐसा नहीं होगा, बिहार का युवा अबकी बार इन्हें रोकेगा। नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार बिना वोट चोरी किए बिहार में चुनाव नहीं जीत सकते। जनता ने वोट चोरी रोक दी तो बिहार में महागठबंधन की सरकार बनेगी। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार के युवा देश के सभा राज्यों में मजदूरी करते हैं। ये क्यों हुआ,क्योंकि नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी ने बिहार के युवाओं को बेरोजगारी का तोहफा दिया है। देश जानता है कि बिहारियों में कोई कमी नहीं है। इनमें शक्ति, एनर्जी है, लेकिन किसी कारण बिहार में बिहार के युवाओं को रोजगार नहीं मिलता है।

बिहार में नीतीश जी सरकार नहीं चला रहे हैं : राहुल

इससे पहले राहुल गांधी ने लोगों से पूछा, कैसे हैं आप लोग। मूड कैसा है आपका। नीतीश जी को हटाने का प्लान है आपका। काम जारी है आपका। चल रहा है। 20 साल से नीतीश जी सरकार चला रहे हैं। वो चला रहे हैं,लेकिन चल नहीं रही है। उन्होंने कहा कि बिहार की सरकार दिल्ली से मोदी जी के ऑर्डर पर चल रही है। यहां आप लोगों के लिए सरकार के पास जमीन नहीं है,लेकिन मोदी जी के पास अडाणी,अंबानी के लिए बहुत जमीनें हैं। राहुल ने कहा कि ये लोग जानते हैं कि बिहार का चुनाव हार रहे हैं। ये इसी में लगे हैं। इन लोगों ने काम तो किए नहीं जो उनके बूते चुनाव जीते तो ये वोट चोरी कर लेते हैं।

दुबई बना सकते हैं तो बिहार क्यों नहीं

राहुल गांधी ने कहा,मैं बिहार के युवाओं से सवाल पूछना चाहता हूं। मैं देश के किसी भी प्रदेश में जाता हूं तो वहां मुझे बिहार के लोग दिखाई देते हैं। दुबई जैसी जगह को आपने अपने खून पसीने से बनाया है। मेरा आपसे सवाल है कि जब आप दुबई और बेंगलुरु जैसा शहर बना सकते हो तो ये बिहार में क्यों नहीं कर पाते हो। एक समय होता था जब नालंदा की यूनिवर्सिटी पूरी दुनिया में मशहूर थी। जापान, कोरिया, इंग्लैंड से लोग पढ़ाई करने आते थे। दुनिया की शिक्षा का सेंटर नालंदा था।

वोट के लिए ड्रामा करते हैं मोदी

राहुल बोले- मोदी जी ने कभी किसी मजदूर को छुआ तक नहीं होगा। मोदी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे, यमुना की बजाए स्विमिंग पुल में नहाते हैं राहुल गांधी ने छठ पर्व पर यमुना नदी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा है कि मोदी जी छठ पूजा का ड्रामा कर रहे हैं और यमुना नदी में नहाने के बजाय एक स्विमिंग पूल में नहाने गए थे। राहुल ने आरोप लगाया कि यह छठ पूजा वोट हासिल करने के लिए किया गया नाटक है और मोदी वोट के लिए मंच पर नाच भी सकते हैं।

मुझे एनडीए की जीत पर संदेह नहीं,छठी मईया का अपमान करने वालों की जमानत जब्त होगी : पीएम मोदी

पटना,04 नवम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत'कार्यक्रम के तहत बिहार की महिला कार्यकर्ताओं से संवाद किया। पीएम से बात करते हुए एक महिला ने कहा,'बिहार में चुनाव है। लोकतंत्र के इस पर्व को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह है।'इस पर पीएम मोदी ने कहा, 'मैंने इस चुनाव को बेहद करीब से देखा है और एक बात मैं कह सकता हूं कि एनडीए इस चुनाव में भारी बहुमत से जीत रही है। मुझे एनडीए की जीत पर कोई संदेह नहीं है।' महिला संवाद के दौरान पीएम मोदी ने छठी मइया का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा,'इस चुनाव में ऐसी विजय दीजिए कि जिन्होंने छठी मइया का अपमान किया है, बिहार को जिन्होंने जंगलराज में रखा था, उनकी जमानत जब्त होनी चाहिए।' इसी दौरान एक महिला ने कहा,'हम विश्वास दिलाते हैं कि इस बार के चुनाव में बिहार रिकॉर्ड तोड़ेगा। 2025 के चुनाव में एनडीए को 225 सीटें आएंगी।' इस पर मोदी हंसने लगते हैं।

जुलूस निकालकर लोगों को मतदान के लिए ले जाइए : मोदी

उन्होंने कहा,'बिहार में एनडीए नेताओं की रैलियां रोज रिकॉर्ड तोड़ रही हैं। सभा मंडल बहनों-बेटियों के नारों से गूंज उठता है। बिहार की महिला कार्यकर्ता मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत बहुत अच्छा काम कर रही हैं। मैंने आज सोचा कि सीधे आप से बात कर के चीजों को समझने की कोशिश करता हूं।' बेगूसराय से महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉक्टर रेखा ने बताया,'मैं होम्योपैथ डॉक्टर हूं। महिलाओं और पुरुषों में बहुत उत्साह है। महिलाएं इस बार पुरुषों से ज्यादा मतदान करेंगी।' महिलाएं कहती हैं... 'डबल इंजन की सरकार ने हमारा जीवन बदल दिया है। मैंने बहुत महिलाओं से मुलाकात की है। वो हमारी योजनाओं के बारे में बताती हैं।'

भाजपा की महिला कार्यकर्ता शानदार काम कर रही हैं...

प्रधानमंत्री ने कहा,'इस चुनाव में मुझे जहां-जहां जाने का मौका मिला और जब जब कार्यकर्ताओं से बात करने का अवसर मिला, मैंने देखा इस बार बिहार का कार्यकर्ता जी-जीन से जुटा हुआ है। आप सभी बहुत परिश्रम कर रहे हैं। हर रैली पहले वाली रैली का रिकॉर्ड तोड़ रही है और उसमें भी हमारी बहनें-बेटियां बहुत बड़ी संख्या में आ रही हैं।'

100 करोड़ की बेनामी संपत्ति वाला कानपुर का सीओ ऋषिकांत शुक्ल निलंबित

कानपुर,04 नवम्बर 2025। चर्चित पुलिस उपाधीक्षक ऋषिकांत शुक्ल आय से अधिक संपत्ति के मामले में फंस गए हैं। कानपुर पुलिस की एसआइटी जांच में उनके पास लगभग 100 करोड़ रुपये की आकूत और बेनामी संपत्ति होने का दावा किया गया है। जांच में उन पर जेल में बंद अखिलेश दुबे के गिरोह का सहयोग करने जैसा गंभीर आरोप लगाया गया है। इस जांच के शुरू होने के बाद सीओ ऋषिकांत शुक्ल को निलंबन कर दिया गया है। वहीं सीओ ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया है। ऋषिकांत शुक्ल कानपुर नगर पुलिस में लंबे समय तक तैनात रहे हैं। पुलिस विभाग में आने के बाद अपने शुरुआती दिनों में वह वर्ष 1998 से 2006 तक और प्रभारी निरीक्षक के रूप में दिसम्बर 2006 से वर्ष 2009 तक लगभग 10 वर्ष से अधिक समय तक कानपुर नगर में नियुक्त रहे हैं। पुलिस उपाधीक्षक पद पर प्रोन्नति के बाद भी इन्हें उन्नाव में तैनाती मिली और वर्तमान समय में वह मैनपुरी में तैनात हैं। पिछले दिनों पूर्व पुलिस आयुक्त के निर्देशन में पुलिस ने दुष्कर्म जैसे झूठे मामलों में फंसाकर भाजपा नेता रवि सतीजा को फंसाने के मामले में शहर के चर्चित वकील अखिलेश दुबे को गिरफ्तार करके जेल भेजा था।

बिहार में बने तोप के गोले से पाकिस्तान को जवाब दिया जाएगा : अमित शाह

बेतिया,04 नवम्बर 2025। बिहार में पश्चिम चंपारण ज़िला के मैनाटाड़ स्थित हाई स्कूल के खेल स्टेडियम ग्राउंड में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनडीए प्रत्याशी समृद्ध वर्मा के समर्थन में मंगलवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में रक्षा कौरिडॉर बनेगा। जिसमें बने तोप के गोले से पाकिस्तान को जवाब दिया जायेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पहलगाम की घटना का जवाब हमारे देश के पीएम नरेन्द्र मोदी जी ने आपरेशन सिंदूर अभियान चला कर दिया। कश्मीर में विगत साढ़े पांच सौ साल से चला आ रहा 370 धारा को हमारे पीएम ने हटाया। जब 370 धारा हटा तो विपक्षियों ने कहा कि कश्मीर में खून की नदियां बहेगी। लेकिन खून की नदियां को तो छोड़ो किसी को कश्मीर में कंकड़ चलाने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने महागठबंधन को 'महाठगबंधन' बताया है। रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'महाठगबंधन' में न नेता है और न नीति है. ये मालूम ही नहीं है कि किस सीट से कौन चुनाव लड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि 14 नवंबर को राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव की पार्टियों का सूपड़ा साफ होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि एनडीए की पांचों पार्टियां, पांडव की भांति एकमुश्त होकर बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा कि किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को सालाना मिलने वाली राशि को 6,000 रुपये से बढ़ाकर 9,000 रुपये किया जाएगा।

शिक्षा का उपयोग वंचित वर्गों की सेवा और राष्ट्र निर्माण में करें युवा : राष्ट्रपति

नैनीताल,04 नवम्बर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि शिक्षा का उपयोग वंचित वर्गों की सेवा और राष्ट्र निर्माण में करें। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव होती है। इसका उद्देश्य केवल विद्यार्थियों की बुद्धि और कौशल का विकास करना ही नहीं, बल्कि उनके नैतिक बल और चरित्र को भी सुदृढ़ करना है। राष्ट्रपति मुर्मु मंगलवार को नैनीताल में स्थित कुमाऊं विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। कुमाऊँ विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह में पहली बार राष्ट्रपति शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 89 स्वर्ण पदक व 16 हजार से अधिक उपाधियां प्रदान कीं। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षण संस्थानों को समाज से सीधा जुड़ाव बनाना चाहिए और गांवों में जाकर लोगों की समस्याओं को समझने व समाधान करने का प्रयास करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा हमें आत्मनिर्भर बनाती है, साथ ही विनम्रता सिखाती है और समाज व देश के विकास में योगदान देने की प्रेरणा देती है। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग वंचित वर्गों की सेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में करें। उन्होंने कहा कि यही सच्चा धर्म है, जो उन्हें वास्तविक सुख और संतोष प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की सबसे तेजी से विकसित होती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, और सरकार युवाओं के लिए अनेक अवसर सृजित करने के लिए नीतिगत पहल कर रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को चाहिए कि वे युवाओं को इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें तथा शोध,नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करें। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रति समर्पित है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और अनुसंधान के प्रभावी अनुप्रयोग के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने हिमालय की जीवनदायिनी संपदाओं के संरक्षण और संवर्धन को सामूहिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर संतोष हुआ कि कुमाऊँ विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सार्थक प्रयास कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में कुमाऊँ विश्वविद्यालय के युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्हें विश्वास है कि ये विद्यार्थी अपनी प्रतिभा और समर्पण से राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि आज का दिन कुमाऊँ विश्वविद्यालय के इतिहास में गौरवपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल बुद्धि का विकास नहीं, बल्कि चरित्र का निर्माण है। उन्होंने विद्यार्थियों से सेवा, सत्यनिष्ठा और संवेदना को अपने जीवन का मूलमंत्र बनाने का आग्रह किया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि वे नशे से दूर रहें।

राजग सुशासन और विकास की,तो राजद-कांग्रेस जंगलराज और गुंडाराज की पहचान : योगी आदित्यनाथ

लखीसराय,04 नवम्बर 2025। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के आखिरी दिन मंगलवार को लखीसराय में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा प्रहार किया। इस मौके पर उन्होंने जनसमूह से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने की अपील की। योगी आदित्यानाथ ने कहा कि बिहार में जंगलराज और गुंडाराज की वापसी नहीं होने देंगे। राजग ही सुशासन और विकास की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने विकास और सुशासन की नई मिसाल कायम की है। राजग सुशासन और विकास की, तो राजद-कांग्रेस जंगलराज और गुंडाराज की पहचान है। लखीसराय से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और वर्तमान में राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह चुनाव सुशासन बनाम जंगलराज का है। आज जहां राजग है, वहां सुशासन और विकास है। वहीं, जंगलराज और गुंडाराज, यह राजद और कांग्रेस की खानदानी पहचान है। जिन लोगों ने बिहार को लूटा, जो खानदानी लुटेरे हैं, आज वह खानदानी माफिया को शागिर्द बनाकर फिर से बिहार में जंगलराज लाना चाहते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में बिहार आज विकास के पथ पर अग्रसर है। पिछले दो दशकों में बिहार ने सड़क, रेल, एयरपोर्ट और वॉटरवे के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। अब बिहार में बनने वाले उत्पाद, चाहे मखाना हो या सब्जी, वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बना रहे हैं। किसान और व्यापारी दोनों आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

संपादकीय

विश्व विजेता बेटियां

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वो इतिहास रचा,जिसका दो दशक से इंतजार था। एक दिवसीय क्रिकेट का वर्ल्ड कप जीतकर उन्होंने उस कमी को पूरा किया, जो साल 2005 और 2017 में फाइनल में पहुंचकर भी हासिल न हो सकी थी। ऐसे वक्त में जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम को खिताबी दौड़ में कमजोर माना जा रहा था, उसने सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया टीम को सेमीफाइनल के एक रोमांचक मुकाबले में हरा दिया था। मुकाबले में मुंबई की जेमिमा रॉड्रिग्स ने 127 रन की तूफानी यादगार पारी खेली। लगता था शुरुआत में कई मैच हारने वाली भारतीय महिला टीम ने अपनी ऊर्जा फाइनल मुकाबले के लिये बचा रखी थी, जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की टीम को 52 रन से हरा दिया। रविवार की रात हरमनप्रीत कौर की कप्तानी ने पासा ही पलट दिया। फिर उनकी टीम ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में चालीस हजार से ज्यादा दर्शकों के बीच जीत का जश्न जमकर मनाया। इस जुनूनी जश्न की वे हकदार भी थीं। साथ ही देश के एक अरब चालीस करोड़ लोगों को भी जीत के जश्न में डुबो दिया। लोग इस साल होने वाले कई दुखांत घटनाक्रमों को भुला इस जीत की लय में झूम उठे। यह सुखद आश्चर्य ही था कि टीम ने लगातार तीन हार झेलने के बाद टूर्नामेंट में दमदार वापसी की। सेमीफाइनल में लोग सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम को कमतर आंक रहे थे। सुखद आश्चर्य देखिये कि फाइनल मुकाबले में हरियाणा की उस शैफाली वर्मा ने करिश्माई पारी खेली, जो विश्व कप के शुरू होने से पहले टीम का हिस्सा भी नहीं थी। उसने अपने चयन को तार्किक साबित किया। इसी तरह दीप्ति शर्मा ने भी शानदार खेल का परिचय दिया। निश्चय ही महिला क्रिकेट टीम की यह शानदार जीत देश की उन लाखों बेटियों के सपनों को नयी ऊंचाइयां देगी, जो अपना आसमान हासिल करना चाहती हैं। निस्संदेह, विश्वकप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत के दूरगामी परिणाम होंगे। इस खेल में टीम दीर्घकालिक वर्चस्व कायम रख सकती है। दरअसल, अब तक महिला क्रिकेट को दोयम दर्जे का माना जाता रहा है। दरअसल, जब से महिला खिलाड़ियों को पुरुष खिलाड़ियों के समान वेतन मिलने लगा और उन्हें आईपीएल-शैली की टी-20 लीग में दमखम दिखाने का मौका मिला, टीम के प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। धीरे-धीरे वे पुरुष क्रिकेट के सितारों की तरह आभा बिखेरने लगी। हालांकि, आगे की राह इतनी भी आसान नहीं है, उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल उनके पास इस कामयाबी का जश्न मनाने का मौका है। उल्लेखनीय है कि टीम में कई ऐसी खिलाड़ी हैं जिन्होंने तमाम आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों का मुकाबला करके अपनी जगह बनायी। वे तपती पगडंडियों से गुजरने वाली बेटियों के लिये प्रेरणास्रोत हैं। इन खिलाड़ियों ने मैदान से पहले निजी जीवन में बड़ा संघर्ष किया। बेहद जटिल पृष्ठभूमि से आने के बावजूद वे विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनी हैं। उनके साथ अभ्यास मैच खेलने के लिये लड़कियां नहीं होती थी, अतः वे शुरुआती क्रिकेट लड़कों की टीम के साथ खेलती थीं। उनके माता-पिता को समाज की छींटाकशी का भी शिकार होना पड़ता था। मध्यप्रदेश की क्रांति गौड़ ने आर्थिक बदहाली का जीवन जिया और प्रैक्टिस मैच के लिये पैसे की मदद न मिलने पर मां ने गहने तक बेचने पड़े। वक्त बदला है और आज मध्य प्रदेश सरकार ने उसे एक करोड़ का पुरस्कार देने की घोषणा की है। स्पिनर राधा यादव का परिवार मुंबई के कांदिवली में रहता है और उसके पिता सब्जी बेचते रहे हैं। उनकी प्रतिभा पहचानकर क्रिकेटर प्रफुल्ल नाइक ने उसके परिजनों को क्रिकेट खेलने के लिये मनाया। संगरूर जिले की रहने वाली सफल गेंदबाज अमनजोत के, पेशे से कारपेंटर पिता भूपेंदर सिंह ने उनकी प्रतिभा को पहचाना। उन्होंने अपना कामधंधा दांव पर लगाया। इसी तरह हिमाचल के एक किसान परिवार से आने वाली तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर ने अपने दिवंगत पिता के सपने को पूरा किया।

लोक संस्कृति का वाहक पुष्कर मेला

पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना,जिसमें ऊँट,घोड़े और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती है,धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन,पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी,और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा,मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं,जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं। राजस्थान में त्यौहारों, पर्वो एवं मेलों की अनूठी परम्परा एवं संस्कृति है वैसी देश में अन्यत्र कहीं मिलना कठिन है। यहां का प्रत्येक मेला एवं त्यौहार लोक जीवन की किसी किवदन्ती या किसी ऐतिहासिक कथानक से जुड़ा हुआ है। इसलिए इनके आयोजन में सम्पूर्ण लोक जीवन पूरी सक्रियता से भाग लेता है। इन मेलों में राजस्थान की लोक संस्कृति जीवन्त हो उठती है। इन मेलों के अपने गीत हैं, जिनके प्रति जन साधारण की गहरी आस्था दृष्टिगोचर होती है। इससे लोग एकता के सूत्र में बंधें रहते हैं। राजस्थान में अधिकांश मेले पर्व व त्यौहार के साथ जुड़े हुए हैं...

रमेश सर्राफ,धमोरा

राजस्थान में अजमेर से लगभग 11 कि.मी. दूर हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। यहां पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होता है जो इस मेले की शोभा को और बढ़ा देते हैं। पुष्कर मेला कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक लगता है। मेलों के रंग राजस्थान में देखते ही बनते हैं। ये मेले मरुस्थल के गांवों के कठोर जीवन में एक नवीन उत्साह भर देते हैं। लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर जगह-जगह पर नृत्य गान आदि समारोहों में भाग लेते हैं। यहां पर काफी मात्रा में भीड़ देखने को मिलती है। लोग इस मेले को श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं।पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। पुष्कर मेले को खास माना जाता है क्योंकि यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व का एक अनूठा संगम है। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं। जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं। मेलों का महत्व देवताओं एवं देवियों की आराधना को लेकर भी है क्योंकि देर्वाचन से मानव को शान्ति प्राप्त होती है। वैसे तो राजस्थान के विभिन्न भागों में बहुत बड़ी संख्या में मेले आयोजित किए जाते हैं, परन्तु कुछ गिने-चुने मेलों का अपना ही महत्व होता है। यहां के धार्मिक मेलों में सम्बंधित धर्म अनुयायियों के अतिरिक्त अन्य धर्म के लोग एवं अन्य जाति के लोग भी खुलकर भाग लेते हैं। मेला स्थल से परे पुष्कर नगरी का माहौल एक तीर्थनगरी सरीखा होता है। कार्तिक में स्नान का महत्व हिंदू मान्यताओं में वैसे भी काफी ज्यादा है। इसलिए यहां साधु भी बडी संख्या में नजर आते हैं। मेले के शुरुआती दिन जहां पशुओं की खरीद-फरोख्त पर जोर रहता है। वहीं बाद के दिनों में पूर्णिमा पास आते-आते धार्मिक गतिविधियों का जोर हो जाता है। श्रद्धालुओं के सरोवर में स्नान करने का सिलसिला भी पूर्णिमा को अपने चरम पर होता है। पुष्कर मेले के दौरान इस नगरी में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखा जाता है।

पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है और पुष्कर मेला राजस्थान का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। पुष्कर मेले की प्रसिद्धि का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में ताजमहल का जो दर्जा विदेशी सैलानियों की नजर में है। ठीक वही महत्व त्यौहारों से जुडे पारम्परिक मेलों में पुष्कर मेले का है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है। क्योंकि यहां समूचे ब्रह्मांड के रचयिता माने जाने वाले ब्रह्मा जी का निवास है। पुष्कर के महत्व का वर्णन पद्मपुराण में मिलता है। इसके अनुसार एक समय ब्रह्मा जी को यज्ञ करना था। उसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए उन्होंने धरा पर अपने हाथ से एक कमल पुष्प गिराया। वह पुष्प अरावली पहाडियों के मध्य गिरा और लुढकते हुए दो स्थानों को स्पर्श करने के बाद तीसरे स्थान पर ठहर गया। जिन तीन स्थानों को पुष्प ने धरा को स्पर्श किया वहां जलधारा फूट पडी और पवित्र सरोवर बन गए। सरोवरों की रचना एक पुष्प से हुई इसलिए इन्हें पुष्कर कहा गया। प्रथम सरोवर कनिष्ठ पुष्कर, द्वितीय सरोवर मध्यम पुष्कर कहलाया। जहां पुष्प ने विराम लिया वहां एक सरोवर बना, जिसे ज्येष्ठ पुष्कर कहा गया। ज्येष्ठ पुष्कर ही आज पुष्कर के नाम से विख्यात है। पुष्कर में लगभग चार सौ मंदिर है। इसीलिए इसे मंदिर नगरी भी कहा जाता है। महाभारत में पुष्कर राज के बारे में लिखा है कि तीनों लोकों में मृत्यु लोक महान है और मृत्यु लोक में देवताओं का सर्वाधिक प्रिय स्थान पुष्कर है। चारों धामों की यात्रा करके भी यदि कोई व्यक्ति पुष्कर सरोवर में डुबकी नहीं लगाता है तो उसके सारे पुण्य निष्फल हो जाते हैं। यही कारण है कि तीर्थ यात्री चारो धामों की यात्रा के बाद पुष्कर की यात्रा जरूर करते हैं। तीर्थ

राज पुष्कर को पृथ्वी का तीसरा नेत्र भी माना जाता है। पुष्कर नगरी में विश्व का एकमात्र ब्रह्मा मंदिर है तो दूसरी तरफ दक्षिण स्थापत्य शैली पर आधारित रामानुज संप्रदाय का विशाल वैकुंठ मंदिर। इनके अलावा सावित्री मंदिर,वराह मंदिर के अलावा अन्य कई मंदिर हैं। पास में ही एक छोटे से मन्दिर में नारद जी की मूर्ति। एक मन्दिर में हाथी पर बैठे कुबेर तथा नारद की मूर्तियां हैं। ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लिखित है कि अपने मानस पुत्र नारद द्वारा सृष्टिकर्म करने से इन्कार किए जाने पर ब्रह्मा ने उन्हें शाप दे दिया कि तुमने मेरी आज्ञा की अवहेलना की है। अतः मेरे शाप से तुम्हारा ज्ञान नष्ट हो जाएगा और तुम गन्धर्व योनि को प्राप्त करके कामिनियों के वशीभूत हो जाओगे। तब नारद ने भी दुःखी पिता ब्रह्मा को शाप दिया कि आपने बिना किसी कारण मुझे शाप दिया है। अतः मैं भी आपको शाप देता हूं कि तीन लोक में आपकी पूजा नहीं होगी और आपके मंत्र, श्लोक कवच आदि का लोप हो जाएगा। तभी से ब्रह्मा जी की पूजा नहीं होती है। मात्र पुष्कर क्षेत्र में ही वर्ष में एक बार उनकी पूजा-अर्चना होती है। कई आस्थावान लोग पुष्कर परिक्रमा भी करते हैं। सुबह और शाम के समय यहां आरती होती है। वह दृश्य अत्यंत मनोहारी होता है। इतनी विशेषताओं के कारण पुष्कर को तीर्थराज कहने के अलावा देश का पांचवां धाम भी कहा जाता है। पुष्कर सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर पर्व स्नान का बडा महत्व माना गया है। क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा पर ही ब्रह्मा जी का वैदिक यज्ञ संपन्न हुआ था। तब यहां सम्पूर्ण देवी-देवता एकत्र हुए थे। उस पावन अवसर पर पर्व स्नान की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है उसी प्रकार से इस तीर्थ को पुष्करराज कहा जाता है। हिन्दुओं के लिए पुष्कर एक पवित्र तीर्थ व महान पवित्र स्थल है। वर्तमान समय में इसकी देख-रेख की व्यवस्था सरकार ने सम्भाल रखी है। अतः तीर्थस्थल की स्वच्छता बनाए रखने में भी काफी मदद मिली है। यात्रियों की आवास व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है। यहां आने वाला हर तीर्थयात्री यहां की पवित्रता और सौंदर्य की मन में याद संजो कर ही लौटता है।

गुरू नानक देव जी का 556 वां प्रंकाष पर्व विशेष

कलतारण गुरू नानक आया

कुलदीप सिंह फौजी

गुरू नानक देव जी (प्रथम नानक,सिख धर्म के संस्थापक) का जन्म कार्तिक पूर्णिमा को सम्वत 1526 (अंग्रेजी वर्ष 1469) को रायभोए की तलवण्डी वर्तमान में ननकाना साहिब (पाकिस्तान) के नाम से प्रसिद्ध स्थान पर हुआ था, गुरू नानक साहिब जी का जन्मदिन प्रतिवर्ष 15वीं कार्तिक पूर्णिमा यानि कार्तिक माह के पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है,गुरू नानक जी के पिता मेहता कल्याण दास जी एवं माता तृप्ता जी एक बहुत ही साधारण एवं धार्मिक विचारों वाली महिला थी, गुरू नानक देव जी की बडी बहन नानकी जी थी,जो अपने छोटे भाई यानि गुरू नानक देव जी को बहुत प्यार करती थी। गुरु नानक जी ने अपने अनुयायियों को नाम जपो, कीरत करो,वंड छको की शिक्षा दी। सबसे पहले चाहे वे कुछ भी कर रहे हों, प्रभु के नाम का सिमरन करते रहें। इसे ''नाम जपना'' के नाम से जाना जाता है। दूसरा सिद्धांत है ''किरत करो'', जिसका अर्थ है ईमानदारी से कड़ी मेहनत करो। गुरु नानक जी की तीसरी शिक्षा है ''वंड छको'', जिसका अर्थ है कि मिल-बांटकर खाओ, भगवान ने जो कुछ भी दिया है उससे जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए।... गुरु नानक जी का हृदय बचपन से ही उदारता और सेवाभाव से भरा था। 17 वर्ष की आयु में नानक जी के पिता ने व्यापार करने के लिए 20 रुपये दिए। नानक अपने पड़ोसी मित्र बाला के साथ व्यापार के लिए गए। रास्ते में एक स्थान पर उन्हें भूखे साधु-महात्मा मिले नानक ने पिता जी के द्वारा दिए 20 रुपये से राशन खरीद कर उन साधुओं को खाना खिलाया और खुद खाली हाथ घर लौट आए। घर वापसी पर पिता से डांट भी खाई लेकिन उन्होंने कहा कि आपने ही कहा था की सच्चा सौदा करना है और इससे सच्चा व खरा सौदा और क्या हो सकता है। गुरू नानक देव जी एक अद्भुत एवं विलक्षण बाल थे, भगवान ने उन्हें एक गहन सोच वाले मस्तिष्क एवं तार्किक सोच से नवाजा था, 7 वर्ष की आयू में उन्होंने हिन्दी एवं संस्कृत भाषा सीखी, उन्होने दैवीय चीजों के प्रति अपनी अलौकिक एवं अद्भुत ज्ञान से अपने शिक्षक को आश्चर्यचकित कर दिया था, 13 वर्ष की आयु में वे फारसी एवं संस्कृत भाषा के ज्ञाता हो गए थे, 16 वर्ष की आयु में वह पूरे क्षेत्र में तेजस्वी विद्वान के रूप में समाज के सामने आए, उनका विवाह माता सुलखणी जी से हुआ, जिनके दो पुत्र बाबा श्रीचन्द एवं लखमी चन्द थे । पंजाब में विभिन्न स्थानों का प्रवास करने के पश्चात उन्होंने देश और विश्व के भिन्न-भिन्न धार्मिक स्थानों के प्रवास करने का निर्णय किया, ये प्रवास गुरू नानक देव जी की चार उदासी के रूप में जानी जाती है। इस दौरान गुरू नानक साहिब ने विभिन्न धार्मिक स्थलों का प्रवास किया एवं सिखी के उपदेश दिये । उन्होने कुरूक्षेत्र, हरिद्वार, जोशीमठ, रीठा साहिब, गोरखमत्ता (नानक मत्ता), अयोध्या, प्रयाग, वाराणसी, गया, पटना एवं असम में गुवाहटी, ढाका, पुरी, कटक, रामेश्वरम, सीलोन, बिदर, भरूच, सोमनाथ, द्वारका, जूनागढ, उज्जैन, अजमेर, मथूरा, पाकपट्टन, तलवण्डी, लाहौर, सुल्तानपुर, बिलासपुर, रावलसर, ज्वालाजी, स्पीटी घाटी, तिब्बत, लद्दाख, कारगिल, अमरनाथ, श्रीनगर एवं बारामुल्लाह का प्रवास भी किया । गुरू नानक साहिब जी ने मुस्लिम धार्मिक स्थलों के भी दर्शन किये, इस परिपेक्ष में वे मक्का, मदीना, बगदाद, मुल्तान, पेशावर सख्खर, हिंगलाज आदि भी गये, कई ऐतिहासिक दस्तावेज कहते हैं कि वे मक्का समुद्री रास्ते से गये । गुरू साहिब ने ईराक सम्पूर्ण अरब प्रायद्वीप, तुर्की और तेहरान (वर्तमान में इरान की राजधानी) का भ्रमण भी किया, तेहरान से गुरू साहिब ने कारवां के रास्ते काबुल, कंधार एवं जलालाबाद का भी प्रवास किया । प्रवास का मुख्य उद्देश्य लोगों में ईश्वर की सच्चाई और एक राष्ट्र केन्द्रित विचार के प्रति जागरूकता पैदा करना था, उन्होने सिख धर्म के विभिन्न उपदेश केन्द्रों की स्थापना की, सिख विचार का बीजारोपण निश्चित ही भारत में हुआ, लेकिन इसका प्रभाव वैश्विक है । गुरू नानक साहब जी करतारपुर शहर (वर्तमान में पाकिस्तान का एक भाग), जो कि उनके द्वारा 1522 में बसाया गया था, में बस गये एवं अपना शेष जीवन (1522-1539) वहीं पर बिताया, वहां प्रतिदिन कीर्तन एवं लंगर की प्रथा का शुभारम्भ किया गया, जब गुरू साहिब ने देखा कि उनका अंत समय आ गया है तो उन्होंने भाई लहणा जी (गुरू अंगद साहिब) को द्वितीय नानक के रूप में 1539 को स्थापित किया अर्थात गुरुपद प्रदान किया एवं कुछ दिनों के पश्चात सचखंद में 22 नवम्बर 1539 को ज्योति जोत समा गये गुरू नानक साहिब जी ने गृहस्थ जीवन में रहते हुए अपना आध्यात्मिक व सामाजिक जीवन को जीने की कला समझायी, गुरू नानक साहिब जी द्वारा स्थापित सिख जीवन दर्शन का आधार मानवता की सेवा, कीर्तन, सत्संग एवं एक सर्वशक्तिमान ईश्वर के प्रति विश्वास है, इस प्रकार उन्होने सिख धर्म की आधारशिला रखी । उन्होंने एक नये तरीके से सर्वव्यापी, सर्वशक्तिमान और सच्चे ईश्वर-अकाल पुरख के प्रवचन दिये, ईश्वर निरंकार है, ईश्वर आत्मा है, रचयिता है, अविस्मरणीय है, जन्म-मृत्यु से परे हैं, कालविहीन है, काल निरपेक्ष है, भयरहित है एवं करता पुरख है, ईश्वर सब जानने वाला, अन्तिम सत्य, दाता, निरवैर एवं सर्वव्यापी है, वो सतनाम है, कभी न खत्म होने वाला, सदैव सत्य है । उन्होंने वर्ण व्यवस्था का विरोध किया, एक समाज सुधारक के रूप में गुरू नानक साहिब जी ने महिलाओं की स्थिति, गरीबों एवं, दलितों की दशा को सुधारने के लिए कार्य किये, उन्होंने जाति प्रथा एवं मुस्लिम शासकों की नीतियों का विरोध किया, आप जी के 947 शबदं श्री गुरूग्रंथ साहिब में अंकित है।

विजय गर्ग
मलोट पंजाब

पराली जलाने की समस्या का संभावित हल

उत्तर भारत में फसलों के अवशेष यानी पराली जलाने का काम शुरू हो चुका है। बीते सात वर्षों में कई उपाय किए गए ताकि प्रदूषण बढ़ाने वाले इस चलन पर अंकुश लगाया जा सके। इस दौरान फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों के वितरण से लेकर जैव ईंधन परियोजनाओं का सहयोग करने और जुर्माना लगाने तक जैसे काम किए गए। इसके बावजूद आर्थिक बाधाओं और व्यवस्थागत खामियों के चलते कई किसानों के पास पराली प्रबंधन के बहुत सीमित विकल्प रह गए। हालांकि पराली जलाने पर जुर्माना लगाने की बात कुछ लोगों को पसंद आने वाली होती है लेकिन इसकी वास्तविक वजह को हल करके ही स्थायी समाधान तलाश किया जा सकता है। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता मापने वाले एयर क्वालिटी डिसीजन सपोर्ट सिस्टम के मुताबिक हर वर्ष करीब 20 दिनों तक जब पराली जलाने का काम चरम पर होता है उस समय दिल्ली के पीएम 2.5 प्रदूषण में 15- 30 फीसदी की बढ़ोतरी होती है। चूंकि यह शहर के बाहर उत्पन्न होने वाले प्रदूषण के कारण होता है। इसलिए पंजाब और हरियाणा में समन्वित प्रयास करना जरूरी है। ऐसे सहयोग की मदद से ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है। अगले तीन साल तक संयुक्त प्रयास किए जाएं तब जाकर हमें अक्टूबर और नवंबर के बीच ऐसा माहौल मिल सकता है जहां प्रदूषण कम हो। वर्ष 2028 तक इन उपायों की बदौलत पराली जलाने के मौसम में पीएम 2.5 में औसतन 14 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की कमी आएगी और नवंबर के अधिकतम प्रदूषण के दिनों में यह कमी 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक हो सकती है। उदाहरण के लिए देखें तो नवंबर 2024 में दिल्ली में औसतन मासिक पीएम 2.5 का स्तर 230 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। सबसे पहले, भूसे को संभालने वाली मशीनों के बेहतर प्रबंधन के लिए कस्टम हायरिंग सेंटरों (सीएचसी) में सुधार किया जाना चाहिए। पंजाब और हरियाणा के पास ऐसी ढाई लाख से अधिक मशीनें हैं,जो सैद्धांतिक रूप से सभी गैर-बासमती धान के खेतों को कवर करने के लिए पर्याप्त हैं। फिर भी, सीएचसी में किराये की व्यवस्था अव्यवस्थित और अपारदर्शी है, जिसके कारण यह व्यवस्था केवल 40 फीसदी मशीनों के साथ ही काम कर रही है। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) के एक हालिया अध्ययन के अनुसार, खेत में ही पराली प्रबंधन करने वाले पंजाब के केवल 15 फीसदी किसान ही सीएचसी से किराये की मशीनें लेते हैं। हालांकि सीएचसी को ये मशीनें 80 फीसदी सब्सिडी पर मिलती हैं, लेकिन वित्तीय रूप से टिकाऊ बने रहने के लिए उन्हें हर सीजन में पर्याप्त क्षेत्र में काम करना जरूरी है। उदाहरण के लिए सब्सिडी के तहत 48,000 रुपये में खरीदा गए सुपर सीडर को अगर अगले पांच सालों तक हर साल 100 एकड़ (40 हेक्टेयर) जमीन के लिए किराए पर दिया जाए तब जाकर उसकी लागत वसूल होती है। इस वर्ष राज्य सरकारों को कई बड़े सुधार करने चाहिए। उदाहरण के लिए हर सीएचएसी द्वारा सुपर सीडर के लिए कम से कम 40 हेक्टेयर जमीन पर काम करना जरूरी करना।

महाभारत कालीन अतीत की समृतियां सहेजे है गढ़मुक्तेश्वर कार्तिक मेला

मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाला मेला महाभारत कालीन अतीत से जुड़ा है।भारत की सनातन संस्कृति के लिए यह मेला और यहां का पवित्र गंगा स्नान देश और दुनिया के पर्यटन के लिए भी महत्वपूर्ण स्थान बन चुका है। आज इस मेले का स्वरूप मिनीकुम्भ बन चुका है। दस किलोमीटर क्षेत्रफल से अधिक में फैला यह मेला देश दुनिया के आकर्षण का केंद्र है। जिले के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने भी कहा है कि कार्तिक गंगा मेला केवल स्नान करने तक ही सीमित नहीं है। कार्तिक पूर्णिमा मेला एकता, भाईचारा, सांस्कृतिक विरासत और एकता का प्रतीक है। यहां से देश के विकास को नई दिशा मिलती है। प्रदेश के मानचित्र पर आने के बाद मेला विभिन्न क्षेत्रों में अपनी साख बढ़ा रहा है। अब मेले से प्रदेश को विकास और स्वदेशी का मूल-मंत्र मिल रहा है। दिल्ली से 100 किमी दूर और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 24 से लगे, गंगा के निचले तट पर स्थित गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाला गंगा स्नान का पर्व और यह मेला यहां अनादिकाल से चला आ रहा है। महाभारत युद्ध के बाद इस स्थान का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाले इस पवित्र और प्रसिद्ध स्नान पर्व और यहां लगने वाले मेले का अतीत पांडवों और भगवान श्रीकृष्ण से भी जुड़ा है । बताया जाता है कि महाभारत युद्ध के बाद गढ़ मुक्तेश्वर के गंगा तट पर भगवान श्रीकृष्ण के निर्देश पर सम्राट युधिष्ठिर ने कौरवों और पांडवों की सेना के विशाल वीर योद्धाओं और सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए उनका तर्पण किया था। एक ओर पौराणिक साक्ष्य और तथ्य गढ़ मुक्तेश्वर के एतिहासिक, सांस्कृतिक और अध्यात्मिक महत्व को व्यक्त करते हैं,वहीं आज के इतिहासकार और विद्वान भी मानते हैं कि यह स्थान द्वापर युग में भी पहले प्रसिद्ध हुआ था। शिवपुराण के अनुसार इस 'गढ़मुक्तेश्वर' का प्राचीन नाम 'शिववल्लभ' था,जो भगवान शिव का ही एक प्रिय नाम है। पुराणों में गढ़ मुक्तेश्वर की महिमा के बारे में बताया गया है, कि गढ़ मुक्तेश्वर में ही भगवान शिव ने अपने जय और विजय नाम के गणों को महर्षि दुर्वासा के द्वारा दिए गए पिशाच योनि के श्राप से मुक्ति दिलाई थी। जिसके बाद इस स्थान का नाम गणमुक्तिश्वर यानि कि गणों की मुक्ति करने वाले भगवान शिव के नाम से पड़ा था। गणमुक्तिश्वर का वह प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर आज भी उस पौराणिक घटना का साक्षी है। लेकिन, समय के साथ-साथ आम बोलचाल की भाषा के उच्चारण के कारण यह नाम गणमुक्तिश्वर से बदल कर गढ़ मुक्तेश्वर कहलाने लगा है।

त्रेता युग में भी गढ़मुक्तेश्वर की महिमा का वर्णन है। शिव पुराण के अनुसार इसी गढ़ मुक्तेश्वर के क्षेत्र में गंगा नदी के किनारे ही एक घना वन था, जिसे खाण्डवी वन के नाम से जाना जाता था। इसी खांडवी वन में भगवान परशुराम ने एक ऐसे ही शिवलिंग की स्थापना की थी, और उसी स्थान पर बने शिव मंदिर के आस-पास के क्षेत्र का नाम बाद में शिव वल्लभ पुर पड़ गया। महाभारत काल की बात करें तो त्रेता युग का यही खांडववन, द्वापर युग में यानि महाभारत के काल में खांडव वन के नाम से अस्तित्व में आया और यही खांडव वन बाद में खांडवप्रस्थ कहलाया और उसके बाद इंद्रप्रथ बना। यही खाण्डव वन हस्तिनापुर राज्य के अधीन था इसलिए पांडवों ने खांडव वन में अपना नया राज्य स्थापित किया था। सम्राट युधिष्ठिर ने भगवान परशुराम द्वारा स्थापित शिववर्षपुर यानी गढ़ मुक्तेश्वर के मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में पूजा और यज्ञ आदि करके मृतकों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया था।

यूक्रेन युद्ध से वैश्विक संकट की आहट तबाही सन्निकट

संजीव ठाकुर

रूस-यूक्रेन युद्ध अब केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह सम्पूर्ण विश्व के लिए संभावित विनाश का संकेत बन चुका है। यह युद्ध आधुनिक सभ्यता के सामने एक ऐसी चुनौती प्रस्तुत कर रहा है जिसमें मानवीय संवेदनाएँ, वैश्विक शांति और राजनीतिक संतुलन सब कुछ दांव पर लगा हुआ है। रूस की बौखलाहट, अमेरिका और नाटो देशों के हस्तक्षेप के साथ मिलकर इस युद्ध को तीसरे विश्वयुद्ध की दहलीज पर ला खड़ा कर चुकी है। रूस ने अमेरिका को खुले शब्दों में चेताया है कि यदि पश्चिमी देश इसी तरह यूक्रेन की आर्थिक और सामरिक मदद करते रहे तो उसे परमाणु या जैविक हथियारों के प्रयोग पर विवश होना पड़ सकता है। यह चेतावनी केवल शब्दों का खेल नहीं बल्कि आने वाले संकट का संकेत है, क्योंकि कीव पर हाल में किए गए रूस के बमवर्षक हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पुतिन अब अपनी हार छिपाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। अमेरिकी अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरस ने दावोस में अपने वार्षिक संबोधन में कहा था कि रूस और चीन का सीमा-विहीन गठबंधन वैश्विक शांति के लिए अत्यंत खतरनाक है। यदि पुतिन, शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के बीच यह रणनीतिक गठबंधन गहराता गया तो विश्वयुद्ध की संभावना को टाला नहीं जा सकेगा। सोरस के अनुसार यह संघर्ष अगर अनियंत्रित हुआ तो हमारी सभ्यता इसे झेल नहीं पाएगी और यह युद्ध समस्त मानवीय मूल्यों को मलबे में बदल देगा। पुतिन और शी जिनपिंग ने अपने हालिया संयुक्त बयान में स्पष्ट कर दिया था कि उनके संबंधों और सहयोग की कोई सीमा नहीं है। यह बयान एक नई ध्रुवीय विश्व व्यवस्था का संकेत है जिसमें चीन और रूस एक साथ पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती देने की तैयारी में हैं। पुतिन ने शी जिनपिंग को यूक्रेन पर विशेष सैन्य अभियान की जानकारी भी पहले ही दे दी थी, जिससे स्पष्ट है कि यह सब एक सुनियोजित रणनीति के अंतर्गत हुआ था। इसी बीच रूस के एक राजदूत ने इस्तीफा देकर पुतिन की कार्रवाई का विरोध किया, वहीं युद्ध में मारे गए सैनिकों के परिवारों ने भी देश के भीतर असंतोष प्रकट किया है। यूक्रेन पर आक्रमण के समय पुतिन को यह भ्रम था कि यूक्रेन में रहने वाले रूसी भाषा-भाषी नागरिक उनका समर्थन करेंगे, परंतु हुआ इसके ठीक विपरीत–उन्होंने यूक्रेन पर हमले की निंदा करते हुए रूस से नाता तोड़ लिया। यह पुतिन के लिए सबसे बड़ा झटका था जिसने उनके आत्मविश्वास को हिला दिया। अब उन्हें यह एहसास होने लगा है कि उन्होंने एक ऐतिहासिक भूल की है और इसी कारण वे संघर्ष-विराम की संभावनाएं तलाशने में जुटे हैं, किंतु वर्तमान परिदृश्य में विश्व समुदाय का विश्वास रूस से उठ चुका है। अब स्थिति यह बनती जा रही है कि या तो पुतिन अपनी राजनीतिक विफलता स्वीकार कर पद छोड़ दें या फिर चीन के सहयोग से इस संघर्ष को और गहराकर विश्व युद्ध की दिशा में ले जाएँ। रूस-यूक्रेन युद्ध अब तक लगभग तीस लाख करोड़ रुपए निगल चुका है और इसका अंत अभी दूर-दूर तक दिखाई नहीं देता। अमेरिका और नाटो देशों ने यूक्रेन को लगातार हथियार, आर्थिक सहायता और युद्धक रणनीतियाँ मुहैया कराकर उसे एक मज़बूत प्रतिरोधक शक्ति में बदल दिया है। इस सहायता से यूक्रेन न केवल टिके रहने में सफल रहा है बल्कि उसने रूस के कई मोर्चों पर पलटवार भी किया है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

65 वर्ष बाद फिर सजी बारात,बलदेव और बेचनी देवी ने मनाई 65 वीं वैवाहिक वर्षगांठ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

धूम धाम से मना वैवाहिक वर्षगांठ... आप भी कहेंगे कि भला इसमे क्या खास है और ये खबर क्यो बनी तो रुकिए जनाब ये वैवाहिक वर्षगांठ बेहद खास था क्योंकि इसमें करीब 82 साल के दूल्हे और करीब 77 साल की दुल्हन ने हाथों में लाठी लेकर एक दूसरे को वरमाला पहनाई जी हां। शहर में सोमवार को एक अनोखा और भावनाओं से भरा आयोजन देखने को मिला,जब बुजुर्ग दंपत्ति बलदेव प्रसाद सोनी और उनकी धर्मपत्नी बेचनी देवी ने अपने 65वें वैवाहिक वर्षगांठ को पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत हल्दी रस्म से हुई,जिसमें परिवारजनों और रिश्तेदारों ने बढ़चढक़र भाग लिया इसके बाद दूसरे दिन बारात भी निकाली गई, जिसमें ढोल नगाड़े की धुन पर रिश्तेदार और स्थानीय लोग जमकर नाचे। दूल्हा बने बलदेव प्रसाद सोनी ने पारंपरिक पोशाक पहनकर सबका दिल जीत लिया, वहीं दुल्हन बनीं बेचनी देवी ने मुस्कुराते हुए फिर से सात फेरे लेने की यादें ताजा कर दी। परिवार के सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन नई पीढ़ी को संस्कार और रिश्तों की अहमियत से परिचित कराने के उद्देश्य से किया गया था पूरे कार्यक्रम में आनंद और भावनाओं का माहौल बना रहा। खास बात ये की स्थानीय लोगों ने भी इस अनूठे आयोजन की जमकर सराहना करते हुए कहा कि यह शादी नहीं, बल्कि 'समर्पण और प्रेम की मिसाल' है।

दो बेटों और दोनो बेटियों ने उठाया बीड़ा

बलदेव प्रशाद सोनी ब्रम्हरोड के रहने वाले है जिनके बड़े बेटे दिनेश और छोटे बेटे विनोद के साथ दो बेटियां मंजू और अंजू है। इनका कहना है कि जब वो बड़े हुए तो उनके माता पिता अक्सर ये बात कहते थे कि उनकी शादी कम उम्र में कर दी और आर्थिक संपन्नता न होने के कारण उनके शादी के शौख पूरे नही हो सके यही कारण था कि चारो ने एक साथ मिलकर अपने माता पिता के शादी के सालगिरह का आयोजन किया। जिसके लिए बाकायदा सभी रस्मे निभाई गई। हल्दी और मंडप के साथ घर से बाकायदा बारात निकाली गई और एक बड़े होटल में वैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न किया गया,इस आयोजन में बहुओं बसंती और उर्मिला के साथ दोनो समाद शिवशंकर और अशोक ने भी खूब सहयोग किया।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण

राजीव भवन में विशेष प्रशिक्षण कार्याशाला का आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरिक्षण को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में सोमवार 3 नवंबर को विशेष प्रशिक्षण कार्याशाला का आयोजन किया गया। इसमें सरगुजा जिले के सभी वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ ही साथ सांगठनिक ब्लॉक अध्यक्ष एवं वहां नवगठित मंडलों के अध्यक्षों सहित कांग्रेस के मोर्चा, विभाग एवं प्रकोष्ठ के अध्यक्षों को विशेष गहन पुनरिक्षण की प्रक्रिया को समझाते हुए उन्हें प्रशिक्षित किया गया। पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव की अध्यक्षता में आयोजित हुए इस प्रशिक्षण सत्र में एस.आई.आर. के प्रत्येक पहलुओं को सूक्ष्मता से समझाते हुए पार्टी के नेताओं और कार्यकार्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि कांग्रेस ने सरगुजा जिले के 787 मतदान केन्द्रो में शतप्रतिशत पार्टी के बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ती कर दी है। प्रशिक्षण में मौजूद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और मण्डल अध्यक्षों को उन्होंने निर्देशित किया कि बूथ लेवल एजेंट को जनहित में एस. आई.आर. की प्रक्रिया में पूर्ण सक्रियता के साथ मतदाताओं की सहायता करने को तत्पर और तैयार रहना है। एस.आई.आर. की पूरी प्रक्रिया को समझाते हुए कांग्रेस प्रवक्ता अनूप मेहता ने बताया कि वर्ष 2003 के विशेष पुनरिक्षण में तैयार मतदाता सूचि में अगर किसी मतदाता का या उसके माता-पिता का नाम है तो उसे किसी और दस्तावेज को गणना प्रपत्र के साथ देने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में 2003 में दर्ज नाम का एक्सट्रैक्ट निकाल कर उसे गणना प्रपत्र के साथ संलग्न करना ही पर्याप्त रहेगा। निर्वाचन विभाग ने बीएलओ इसके लिये मतदाताओं की सहायता करने के लिये निर्देश दिये हैं। निर्वाचन विभाग के साथ हुई बैठक का हवाला देते हुए कांग्रेस प्रवक्ता अनूप मेहता ने प्रशिक्षण में जानकारी दी कि लगभग 70 प्रतिशत मतदाताओं का ऐसा रिकार्ड गणना प्रपत्र के साथ संलग्न करना उचित रहेगा। कांग्रेस प्रवक्ता ने यह भी जानकारी दी कि जिस मतदाता का जन्म 1 जुलाई 1987 के पूर्व हुआ है और अगर उसका नाम 2003 की मतदाता सूचि में नहीं है तो उसे स्वयं के जन्म एवं निवास से संबंधित दस्तावेज देना होगा। जिनका जन्म 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के मध्य हुआ है उन्हें स्वयं के साथ ही साथ उनके माता या पिता में से किसी एक का जन्म और निवास से संबंधित दस्तावेज देना होगा। जिन मतदाताओं का जन्म 2 दिसंबर 2004 के बाद हुआ है उन्हें अपने साथ ही साथ अपने माता और पिता दोनो के जन्म एवं निवास से संबंधित दस्तावेज देने होंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 4 नवंबर से 4 दिसंबर के मध्य बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को 2 प्रति में गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे और भरे हुए गणना प्रपत्र और दस्तावेजों को भी वो घरघर जाकर एकत्र करेंगे। अगर किसी कारणवश कोई मतदाता इस अवधि में गणना प्रपत्र प्रस्तुत नहीं कर पाता है तो वह 8 नवंबर से 7 नवंबर के दावा आपत्ती की अवधि में फार्म 6 और उसका घोषणापत्र भरकर अंतिम मतदाता सूचि में अपना नाम जुडवा सकता है।

एस.आई.आर. की इस प्रक्रिया में मतदाताओं को खुद को वैध साबित करने की बात अन्यायपूर्ण : पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव

प्रशिक्षणसत्र को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि चुनाव आयोग ने इस एस.आई.आर. की प्रक्रिया में मतदाताओं पर यह बोझ डाल दिया है कि वो खुद को वैध मतदाता साबित करें,यह बात इस देश के मतदाताओं का अनादर करने के साथ ही साथ उनके साथ अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पूर्व में देश में 8 बार मतदाता सूचियों का विशेष पुनरिक्षण हुआ,किंतु कभी भी मतदाता पर यह भार नहीं होता था कि वो खुद को वैध साबित करे। यदि किसी मतदाता को लेकर कोई आपत्ती आती थी तो चुनाव आयोग उसकी जांच कर उस मतदाता की वैधता और अवैधता पर विचार करता था। लेकिन इस एस.आई.आर. की प्रक्रिया में मतदाताओं पर ही बोझ डाल दिया गया है। उन्होंने मतदाताओं से यह अपील की है कि गणना प्रपत्र के साथ जमा किये जा रहे दस्तावेजों का विवरण गणना प्रपत्र में दर्ज कर उसकी पावती प्राप्त करें। उन्होंने कांग्रेस के सभी वरिष्ठ कनिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को और विशेषतौर पर बीएलए को आम मतदाताओं के मदद के लिये तत्पर और तैयार रहने का निर्देश भी दिया।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम के समापन पर,रामसेवक पैकरा ने की शिरकत

छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल : रामसेवक पैकरा

सूरजपुर, 04 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ न केवल धान का कटोरा है बल्कि संस्कृति का खजाना है। राज्योत्सव केवल एक उत्सव नही बल्कि यह हमारी पहचान है, हमारी परंपरा और हमारी लोक संस्कृति का सम्मान है यह बात जिला स्तरीय राज्योत्सव समापन कार्यक्रम में पूर्व गृह मंत्री व छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामसेवक पैकरा ने अपने वक्तव्य में कही। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना का रजत जयंती वर्ष, प्रदेश की 25 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है, इन 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने विकास की नई गाथा लिखी है। राज्योत्सव हमारे जीवन से जुड़ी उस माटी, मेहनत और संस्कृति का उत्सव है, जिसने छत्तीसगढ़ को विशिष्ट बनाया है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से प्रदेश ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। कला और संस्कृति के संरक्षण से हमारी पहचान और मजबूत हुई है। श्री रामसेवक पैकरा ने कहा कि राज्योत्सव हमें अपने अतीत पर गर्व और भविष्य के लिए प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आव्हान किया कि हम सब मिलकर आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ को विकास और समृद्धि की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री भूलन सिंह मरावी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की आत्मा से जुड़ा उत्सव है। जो हमारे अतीत की गौरवगाथा, वर्तमान की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं को एक साथ जोड़ता है। बीते 25 वर्षों में प्रदेश ने गाँव-गाँव तक विकास की रोशनी पहुँचाई है।

शिक्षा, स्वावलंबन और संस्कृति के क्षेत्र में जो कार्य हुए हैं, वे पूरे देश के लिए उदाहरण हैं। हमें इसी भावना के साथ आगे बढ़ते हुए 'गढ़बो नवा छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करना है। राज्योत्सव में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में लुप्त उठाने के लिए नगरवासी बड़ी तदाद में कार्यक्रम स्थल पर पंहुचें थे। आज के कार्यक्रम के आकर्षण स्थानीय कलाकार रहे, जिन्होंने अपने मनमोहक प्रस्तुति से उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध किया। सुआ नृत्य,कर्मा नृत्य के साथ साथ विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में लगाये गए प्रदर्शनी में शिक्षा विभाग का स्टॉल सभी के आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के विद्यार्थियों द्वारा अलग-अलग विधाओं से संबंधित चार जीवंत मॉडल का प्रस्तुतीकरण किया गया था। जिसमें मक्के छिलने वाला उपकरण, बिना बिजली का ट्रेडमिल, मूंगफली से दाना निकलने वाला उपकरण व नारियल फोड़ने वाले उपकरण का प्रदर्शन किया गया।

विभागीय स्टॉलों में लोगों को शासकीय योजनाओं की मिली जानकारी,जीवंत मॉडल रहे आकर्षण का केंद्र

सरगुजा सांसद श्री चिंतामणी महाराज हुए शामिल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम के दूसरे दिन सोमवार को सरगुज़ा सांसद श्री चिंतामणी महाराज मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। उन्होंने सभी को राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह के दूसरे दिन भी लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुत्फ उठाया। शाम 5:30 बजे से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस दौरान कलेक्टर श्री विलास भोसकर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश के.एल. चरयाणी, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनिल नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लो पार्षद श्री आलोक दुबे सहित स्थानीय जनप्रतिधिगण, अधिकारी, आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय- महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। वहीं स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध किया। इस दौरान कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया, जिसमें जिले के कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर खूब वाहवाही बटोरी। इस दौरान जिले के कवि श्री विनोद हर्ष, श्री देवेन्द्र नाथ दुबे, श्री संतोष दास सरल, श्री श्याम बिहारी पांडे, श्री रंजीत सारथी, श्री कृष्ण कांत पाठक, श्री राजेश पांडे अब्र द्वारा अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी।

मैनपाट में मिला पश्चिम बंगाल के युवक का शव

काम करने आया था यहां

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मैनपाट में एक युवक का मंगलवार की सुबह शव मिला। उसकी पहचान पश्चिम बंगाल निवासी युवक के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस को जांच में उसके शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। वहीं साथ काम करने वाला एक युवक फरार बताया जा रहा है। हत्या में उसके शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। मैनपाट के मेहता प्वाइंट रोड स्थित ग्राम कुदारीडीह के यात्री प्रतीक्षालय के पास मैदान में एक युवक की लाश मिलने की सूचना मंगलवार की सुबह स्थानीय ग्रामीणों ने कमलेश्वरपुर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरु की। युवक का शरीर औंधे मुंह पड़ा हुआ था तथा शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान थे। इससे आशंका जताई जा रही है कि किसी ने उसकी हत्या कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल का फिंगर प्रिंट लेने के बाद शव को पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया। मृत युवक की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी राजू के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके परिजन को मोबाइल से सूचना दी। मृतक राजू मेहता प्वाइंट रोड स्थित निर्माणाधीन बिल्डिंग वसुंधरा विहार में राज मिस्त्री का काम करता था। बताया जा रहा है कि उसके साथ काम करने वाला एक अन्य युवक फरार है। वारदात में उसका हाथ होने की आशंका जताई जा रही है।

बलरामपुर और सरगुजा से 107 किलो गांजा जब्त,तीन आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर और सरगुजा जिलों में हाल ही में गांजा तस्करी के दो बड़े मामले सामने आए हैं, जिनमें पुलिस और आबकारी विभाग की टीमों ने अपनी तेज़ी से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया और बड़ी मात्रा में गांजा जब्त किया। इन दोनों घटनाओं में ओडिशा से गांजा लाकर इसे छुपाकर बिहार और झारखंड भेजने का प्रयास किया जा रहा था। पहली घटना में बलरामपुर पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉली में छिपाकर लाए गए 107 किलो गांजा को बरामद किया। पुलिस को जानकारी मिली थी कि एक लाल रंग के ट्रैक्टर ट्रॉली में गांजा तस्करी के लिए ले जाया जा रहा है, जो अंबिकापुर से बलरामपुर होते हुए बिहार की ओर जा रहा था। इस सूचना पर पुलिस ने मुख्य मार्ग पर नाकेबंदी की और संदिग्ध ट्रैक्टर को रुकवाकर उसकी तलाशी ली। ट्रॉली में एक गुप्त चेंबर बना हुआ था, जिसमें भूरे रंग की टेप से लिपटे 75 पैकेट गांजा थे, जिनका वजन 106 किलो 600 ग्राम था। इस गांजे की बाजार कीमत 5 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक इजहार आलम (24 वर्ष), निवासी ग्राम करारी, जिला रोहतास (बिहार) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ओडिशा से गांजा लेकर बलरामपुर होते हुए बिहार के सासाराम जा रहा था। दूसरी घटना सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र से जुड़ी है, जहां आबकारी विभाग की उड़नदस्ता टीम ने लग्जरी कार में गांजा तस्करी करते हुए दो आरोपियों को पकड़ लिया। टीम को शक हुआ जब एक झारखंड नंबर की ग्रैंड विटारा कार तेज़ी से चलती हुई दिखी। उड़नदस्ता टीम ने कार का पीछा किया और उसे रुकवाकर तलाशी ली। कार में 56 किलो गांजा पाया गया, जिसे प्लास्टिक के 54 पैकेटों में लपेटकर रखा गया था। इसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने ओडिशा से गांजा लिया था, जिसे एक स्थानीय सप्लायर से खरीदा था।

ओड़िशा में तस्करी का नेटवर्क : इन दोनों घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि ओडिशा से गांजा तस्करी का एक बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है, जो इन राज्यों से गांजा बिहार और झारखंड तक पहुँचाने का प्रयास करता है। बलरामपुर के गिरफ्तार आरोपी इजहार आलम ने भी पुलिस को बताया कि वह ओडिशा से गांजा लेकर बलरामपुर के रास्ते बिहार जा रहा था। वहीं, सरगुजा के दोनों गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि उन्होंने ओडिशा से गांजा खरीदकर उसे यहाँ सरगुजा में सप्लायर से लिया था। इन कार्रवाइयों से यह भी पता चलता है कि ओडिशा से गांजा तस्करी का यह नेटवर्क बहुत सक्रिय है, और लगातार ओडिशा से गांजा अंबिकापुर, बलरामपुर और सरगुजा होते हुए अन्य राज्यों में भेजा जा रहा है। इन दोनों मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है और उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जिला अधिवक्ता संघ की बैठक में नवीन न्यायालय भवन के विवादित स्थानांतरण पर चर्चा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला अधिवक्ता संघ की कार्यकारिणी की आवश्यक बैठक संघ के अध्यक्ष अनिल सोनी द्वारा मंगलवार को जिला न्यायालय में आयोजित की गई, जिसमें नवीन न्यायालय भवन के विवादित स्थानांतरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि जनजागरुकता रैली के माध्यम से इस विषय पर जनता को अवगत कराया जाएगा, जिससे न्याय व्यवस्था से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर आम नागरिकों का समर्थन और सहभागिता सुनिश्चित हो सके। अनिल सोनी द्वारा बताया गया कि यह रैली 6 नवम्बर की सुबह 11 बजे जिला न्यायालय परिसर, अंबिकापुर से प्रारंभ होकर महामाया चौक, सदर रोड, अग्रसेन चौक, पुराना बस स्टैंड, ब्रह्म रोड, संगम चौक होते हुए गांधी स्टेडियम में आकर पूर्ण होगी। रैली के उपरांत गांधी स्टेडियम के सामने एक सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अधिवक्ताओं द्वारा नवीन न्यायालय भवन के संबंध में प्रशासनिक निर्णयों पर अपने विचार रखे जाएंगे तथा आंदोलन की आगामी रणनीति पर चर्चा की जाएगी। संघर्ष समिति के संयोजक संतोष सिंह ने यह स्पष्ट किया कि न्यायिक संस्थाओं के सुचारू संचालन, वादकारियों की सुविधा और विधि के सम्मान के लिए यह आंदोलन पूर्णतः लोकतांत्रिक, शांतिपूर्ण एवं जनहितकारी स्वरूप में किया जाएगा। जिला अधिवक्ता संघ ने समस्त अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे इस रैली में सक्रिय रूप से सहभागी बनकर न्यायिक गरिमा की रक्षा हेतु अपना समर्थन प्रदान करें।

C M Y K

'घटती-घटना' की खबर का हुआ असर

31 स्पेयर इन्वर्टर और 240 बैटरी बैंक की मांग भेजी गई,सौर संयंत्रों की मरम्मत में आएगी तेजी

-संवाददाता-
कोरिया,04 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

दैनिक घटती-घटना द्वारा प्रकाशित समाचार का बड़ा असर सामने आया है, जिले में बंद पड़े सौर संयंत्रों को पुनः चालू करने के लिए अब ठोस पहल शुरू हो गई है, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के कोरिया जोनल कार्यालय ने 31 स्पेयर इन्वर्टर और 240 बैटरी बैंक की मांग का प्रस्ताव मुख्यालय रायपुर को भेजा है। जल्द ही यह सामग्री उपलब्ध होने पर मरम्मत कार्य में तेजी आएगी।

वारंटी खत्म होने से ठप हुए संयंत्र

क्रेडा जोनल कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार,जिले के कई ग्रामों में आर.वी.ई.,डीडीजी और सौभाग्य योजनाओं के तहत सौर संयंत्र स्थापित किए गए थे, समय के साथ अधिकांश संयंत्रों की वारंटी अवधि समाप्त हो गई, जिसके कारण उनके इन्वर्टर और बैटरी बैंक खराब हो गए। नतीजतन, कई गांवों में पेयजल आपूर्ति और घरेलू बिजली उपयोग प्रभावित हो गया।

रायपुर मुख्यालय को भेजा गया विस्तृत प्रस्ताव : जिला क्रेडा कार्यालय कोरिया ने सौर संयंत्रों की वास्तविक स्थिति का सर्वे कर आवश्यक उपकरणों की सूची तैयार की है, रिपोर्ट के आधार पर 31 स्पेयर इन्वर्टर और 240 बैटरी बैंक की मांग वाला विस्तृत प्रस्ताव रायपुर प्रधान कार्यालय को भेजा गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में फिर जगमगाएंगे सौर संयंत्र

क्रेडा अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही उपकरण उपलब्ध होंगे, तकनीकी टीम गांवों में तत्काल सुधार कार्य शुरू करेगी, सौर संयंत्रों के पुनः चालू हो जाने से पेयजल आपूर्ति सुधरेगी, सामुदायिक भवन, स्कूल व पंचायत भवनों में बिजली सुविधा बहाल होगी और ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता फिर से स्थापित होगी।

समाचार का असर, प्रशासन ने लिया संज्ञान

'दैनिक घटती-घटना' ने कोरिया जिले में बंद पड़े सौर प्लांट्स की स्थिति पर लगातार रिपोर्ट प्रकाशित की थी, पूर्व विधायक सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस विषय को गंभीरता से उठाया था, इसके बाद प्रशासन ने पहल करते हुए क्रेडा मुख्यालय को प्रस्ताव भेजा है, ग्रामीणों का कहना है कि यदि नए बैटरी बैंक और इन्वर्टर शीघ्र उपलब्ध करा दिए जाएं तो उन्हें बिजली की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी।

घटती घटना
अम्बिकापुर,मंगलवार 04 नवम्बर 2025
5

राज्योत्सव की चकाचौंध में वनांचल के गांव अंधेरे में

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने शासन प्रशासन से नई बैटरी एवं इन्वर्टर लगाए जाने की मांग

22 सोलर प्लांट ठप्प, बैटरी-इन्वर्टर वर्षों से बदले नहीं – विभाग के पास नहीं बजट या नहीं इच्छा शक्ति ?

घटती-घटना की खबर का फिर हुआ असर,बीएसएनएल टावर सहित रामगढ़ क्षेत्र में सुधारे गए सौर प्लांट

राज्योत्सव में जनसंपर्क विभाग का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए निःशुल्क वितरित की गई उपयोगी पुस्तकें

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जिले के कला केंद्र मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव में लगाए गए विभागीय स्टॉलों में जनसंपर्क विभाग का स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना रहा। स्टॉल में बड़ी संख्या में आमजन, विद्यार्थी एवं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवा पहुंचे। राज्योत्सव समारोह के शुभारंभ अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन, पशुधन विकास विभाग मंत्री श्री रामविचार नेताम ने स्टॉल का अवलोकन किया। जनसंपर्क विभाग द्वारा राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों और प्रदेश के विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रदर्शनी, पोस्टर, पुस्तिकाओं और

प्रकाशनों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाई गई। विभागीय स्टॉल पर युवाओं के लिए 'जनमन ', 'विकास की प्रगति' सहित कई महत्वपूर्ण पुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया। इन पुस्तकों में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं, नवीन योजनाओं की रूपरेखा, प्रमुख उपलब्धियों, राज्य के विकास क्रम, ग्रामीण उत्थान, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण के क्षेत्रों में किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी संकलित है।

फर्नीचर फैक्टरी में लगी भीषण आग 4 लाखों रुपए का प्लाई जलकर खाक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

शहर के मनेंद्रगढ़ रोड स्थित एक फर्नीचर गोदाम व फैक्टरी में मंगलवार की अलसुबह आग लग गई। आग से गोदाम में रखे लाखों रुपए के फर्नीचर समेत अन्य सामान जलकर खाक हो गए। वैभव अग्रवाल की मनेंद्रगढ़ रोड में फर्नीचर की फैक्टरी व गोदाम है। मंगलवार की सुबह करीब 8 बजे वहां काम करने वाले मजदूर पहुंचे थे। उन्होंने फैक्टरी का शटर उठाना चाहा, लेकिन भीतर से धुआं निकल रहा था। शटर भी गर्म था। आग लगने की आशंका पर उन्होंने संचालक को सूचना दी। सूचना मिलते ही संचालक मौके पर पहुंचा और फायरब्रिगेड की टीम को सूचित किया। इस दौरान वहां अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। इधर फायरब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने जब शटर उठाया तो भीतर आग लगी हुई थी। आग से वहां रखे काफी संख्या में निर्मित व अर्द्धनिर्मित फर्नीचर, सोफा, ड्रेसिंग टेबल समेत अन्य सामान जल रहे थे। फैक्टरी में आग लगी देख दमकल कर्मियों ने आग बुझाना शुरु किया। करीब साढ़े 4 घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर करीब 1 बजे आग पर काबू पाया जा सका। दुकान संचालक का कहना है कि उन्हें 4-5 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका उन्होंने जताई है।

यातायात नियमों का पालन समय की जरूरत,लापरवाही पड़ सकती है... भारी,यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित रहे : डीआईजी/एसएसपी

यातायात जागरूकता अभियान में नागरिकगण औरों को हेलमेट पहनने कर रहे जागरूक

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

यातायात जागरूकता और यातायात नियमों का पालन समय की जरूरत है क्योंकि लापरवाही के कारण एक्सीडेंट होते है और लोगों की असमायिक मृत्यु हो जाती है इसकी रोकथाम और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता के लिए डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले के सभी थाना-चौकी व यातायात प्रभारी 1 नवम्बर से 15 नवम्बर 2025 तक यातायात जागरुकता अभियान चला रहे है जिसमें यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ ही नियमों का उल्लघंन करने वाले चालकों को जीवन में यातायात नियम के क्या मायने है उसकी जानकारी देते हुए सीट बेल्ट लगाने एवं बाईक चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पुलिस नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और उनका उल्लंघन करने से बचने की अपील की। मंगलवार, 04 नवम्बर 2025 को पुलिस अधिकारियों ने कई स्थानों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया। इसके तहत पुलिस ने स्कूली बच्चों, साइकिल, बस, ट्रक, ऑटो/टैक्सी चालकों, सार्वजनिक परिवहन कर्मचारी और दैनिक यात्रियों को नियमों के पालन और अनुशासित सड़क उपयोग के महत्व की जानकारी दी। दोपहिया वाहन चालकों और पीछे बैठने वालों को बिना हेलमेट के वाहन चलाने के गंभीर परिणामों के बारे में जागरूक किया गया।

पुलिस का अभियान, आमजनता का मिल रहा पूर्ण सहयोग : पुलिस के जागरूकता अभियान में सड़क पर हेलमेट लगाकर सफर कर लोग अन्य नागरिकों को हेलमेट पहनकर बाईक चलाए कहते नजर आए और बताया कि हाथ-पैर में चोट लगा तो वह ठीक हो जायेगा किन्तु हेलमेट न पहनने की स्थिति में सिर में चोट लगाने से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इसलिए बाईक चलाते समय हेलमेट जरूर पहने और सुरक्षित रहे।

व्यापार समाचार

शेयर बाजार : सेंसेक्स 519 अंक गिरकर 83,459 पर बंद निफ्टी भी 165 अंक फिसलकर 25,597 पर पहुंचा...

नई दिल्ली,04 नवम्बर 2025। सिर्फ 1 दिन की मामूली बढ़त के बाद घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को एक बार फिर तेज गिरावट का शिकार हो गया। मंगलवार को कारोबार की सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में मामूली तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये दोनों सूचकांक लगातार गिरते चले गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.62 प्रतिशत और निफ्टी 0.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। मंगलवार को दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर,कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में मंगलवार को खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ मंगलवार को कारोबार का अंत किया। मंगलवार को

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद घट कर 469.79 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 472.51 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को मंगलवार को कारोबार से करीब 2.72 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। मंगलवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,329 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,618 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,546 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 165 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में मंगलवार को 2,847 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 882 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,965 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 9 शेयर हरे निशान में और 41 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 22.15 अंक की मामूली तेजी के साथ 84,000.64 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 89.52 अंक की मजबूती के साथ 84,068.01 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके तुरंत बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण ये सूचकांक गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण मंगलवार को कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 655 अंक से अधिक टूट कर 565.72 अंक की गिरावट के साथ 83,412.77 अंक तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 40 अंक की रिकवरी करके 519.34 अंक की कमजोरी के साथ 83,459.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 18.60 अंक लुढ़क कर 25,744.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 25,787.40 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। इसके बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण ये सूचकांक दोबारा लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण मंगलवार को कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 184.95 अंक फिसल कर 25,578.40 अंक तक आ गया।

हिंदुजा समूह के चेयरमैन गोपीचंद हिंदुजा का लंदन में निधन

नई दिल्ली,04 नवम्बर 2025 । हिंदुजा समूह के चेयरमैन गोपीचंद परमानंद हिंदुजा का लंदन के एक अस्पताल में निधन हो गया। परिवार के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 85 वर्ष के थे। हिंदुजा परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि व्यापारिक जगत में 'जीपी' के नाम से मशहूर गोपीचंद पी. हिंदुजा पिछले कुछ सप्ताह से बीमार थे और लंदन के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया। हिंदुजा परिवार की दूसरी पीढ़ी से ताल्लुक रखने वाले गोपीचंद ने मई 2023 में अपने बड़े भाई श्रीचंद के निधन के बाद अध्यक्ष का पद संभाला था। उनके परिवार में पत्नी सुनीता, पुत्र संजय और धीरज और पुत्री रीता हैं।

हिंदुजा समूह को वैश्विक स्तर पर फैलाने में गोपीचंद ने दिया अहम योगदान : आजादी के पहले अपना कारोबारी सफर शुरू करने वाले हिंदुजा परिवार में जन्मे गोपीचंद हिंदुजा 1959 में मुंबई में अपने पारिवारिक उद्यम में शामिल हुए। बीते कई दशकों में उन्होंने हिंदुजा समूह को एक पारंपरिक व्यापारिक संचालन से बैंकिंग, वित्त, ऊर्जा, मोटर वाहन, मीडिया और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक वैश्विक औद्योगिक महाशक्ति बनाने में मदद की। उनके नेतृत्व में समूह ने अपने कुछ सबसे महत्वपूर्ण अधिग्रहण किए। इनमें 1984 में गल्फ ऑयल और तीन साल बाद अशोक लीलैंड का अधिग्रहण शामिल है। अशोक लीलैंड भारत में प्रवासी भारतीयों की ओर से किए गए पहले बड़े निवेशों में से एक था। समूह की वेबसाइट के अनुसार, मुंबई के जय हिंद कॉलेज से स्नातक जीपी को व्यवसाय में उनके योगदान के लिए वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टरेट ऑफ लॉ और लंदन

के रिचमंड कॉलेज से मानद डॉक्टरेट ऑफ इकोनॉमिक्स की उपाधि से सम्मानित किया गया था।

1919 में हुई थी हिंदुजा समूह की स्थापना : हिंदुजा समूह की स्थापना 1919 में हुई। उस समय इसके संस्थापक परमानंद दीपचंद हिंदुजा सिंध (तब भारत का हिस्सा, अब पाकिस्तान में) से ईरान चले गए और एक वैश्विक समूह बनने की नींव रखी। समूह ने 1979 में अपना मूल कारोबार ईरान से लंदन ले गया और वैश्विक विस्तार के एक नए युग की शुरुआत की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मुंबई स्थित हिंदुजा समूह दुनिया भर में लगभग दो लाख लोगों को रोजगार देता है। यह समूह वित्त, ऑटोमोटिव, ऊर्जा, मीडिया और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कारोबार कर रहा है। परिवार के पास एक प्रभावशाली रियल एस्टेट पोर्टफोलियो भी है। उनकी सबसे प्रसिद्ध संपत्ति व्हाइटहॉल में ऐतिहासिक ओल्ड वॉर ऑफिस बिल्डिंग है। इसे हाल ही में रैफल्स लंदन होटल में तब्दील कर दिया गया है।

कम कीमतों से जूझ रहा स्टील सेक्टर : 150 यूनिट्स ने बंद किया उत्पादन,सरकार के विस्तार लक्ष्य पर खतरा

नई दिल्ली,04 नवम्बर 2025। स्टील की कम कीमतें छोटी कंपनियों के लिए समस्या बन सकती हैं। इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने यह संभावना जताई। उन्होंने कहा कि कम कीमतों के कारण करीब 150 छोटे स्टील उत्पादकों ने उत्पादन बंद कर दिया है। स्टील समिट 2025 को संबोधित करते हुए पौंड्रिक ने बताया कि पांच साल पहले स्टील की कीमतें जरूरत से अधिक थीं, लेकिन आज ये जरूरत से कम स्तर पर हैं, जिससे बाजार में असंतुलन पैदा हो गया है। कम कीमतें सरकार के क्षमता बढ़ाने के लक्ष्य पर डाल सकती हैं असर : पौंड्रिक ने कहा कि छोटे उद्योगों के लिए मौजूदा कीमतें एक बड़ी चुनौती बन गई हैं, खासकर ऐसे समय में जब सरकार अगले पांच से सात वर्षों में स्टील क्षेत्र की क्षमता बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। आपने अभी सभी कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे देखे हैं, लगभग सभी के मुनाफे में कमी आई है। लेकिन कीमत एक समस्या है, खासकर तब जब हमें अगले पांच से सात वर्षों में 100 मिलियन टन क्षमता में निवेश करने की जरूरत है। सचिव ने यह भी बताया कि विश्वभर में, विशेषकर चीन में, अधिशेष उत्पादन और उसके परिणामस्वरूप डंपिंग एक वास्तविक समस्या है, न केवल हमारे लिए, बल्कि प्रत्येक देश के लिए।

पौंड्रिक ने कहा कि सरकार ने आयातित स्टील पर अस्थायी रूप से सुरक्षा शुल्क लगाया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घरेलू स्टील उद्योग को किसी समस्या का सामना न करना पड़े। अच्छी खबर यह है कि स्टील की खपत बढ़ रही है, क्षमता बढ़ रही है। बढ़ती खपत को पूरा करने के लिए पिछले 10 वर्षों में नई क्षमताएं विकसित की जा रही हैं। सचिव ने कहा कि देश की दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता के लिए स्टील उद्योग को संरक्षित करने की आवश्यकता है। यह एक रणनीतिक क्षेत्र है, इस अर्थ में कि अगर आप आयात पर निर्भर हो जाते हैं, तो आपको भू-राजनीतिक कारणों से समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसा कि हम आज विश्व में देख रहे हैं।

ग्रामीण आजीविका संसाधनों और पक्के आवासों से खुल रही विकास की नई राह

राज्योत्सव में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की गतिविधियां बनी आकर्षण का केंद्र

-संवाददाता-
कोरिया,04 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का प्रदर्शनी स्टॉल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहाँ प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का मॉडेल, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा एवं अमृत सरोवर जैसी योजनाओं की झलकियाँ दिखाई गई हैं। साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत संचालित महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित विविध उत्पादों की प्रदर्शनी भी लोगों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है।

शुभारंभ पर हितग्राहियों को मिली खुशियों की चाभी

राज्योत्सव के शुभारंभ अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्री भईयालाल राजवाड़े ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के स्टॉल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नव-निर्मित आवासों की प्रतीकात्मक चाभी ग्राम पंचायत भांड़ी के हितग्राही श्री रामस्वरूप, श्रीमती सुमरी, श्रीमती लालो तथा श्रीमती बइया को प्रदान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

जिले में 3,367 परिवारों को मिला पक्का घर

कोरिया जिले में जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के 2,432 और जनपद पंचायत सोनहत के 935 हितग्राहियों ने अपने नवनिर्मित प्रधानमंत्री आवास में गृह प्रवेश किया है। इस प्रकार कुल 3,367 परिवारों के जीवन में पक्के मकान की खुशियाँ साकार हुई हैं।

वोकल फॉर लोकल थीम बनी आकर्षण का केंद्र

बिहान से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा कोरिया अमृत ब्रांड के अंतर्गत तैयार उत्पादों का विशेष स्टॉल लगाया गया है, इनमें कोरिया मोदक, अचार, मिलेट कुकीज़, वंदना मसाले, टेराकोटा शिल्प, बांस कला, सोन हनी, सुगंधित चावल, पीनट बटर, पीनट पिकल और कर्मा उत्पाद शामिल हैं। राज्योत्सव के पहले दो दिनों में ही लगभग 34,000 की बिक्री दर्ज हुई है। विधायक श्री राजवाड़े ने कहा कि 'कोरिया अमृत' ब्रांड अब प्रदेश में कोरिया जिले की ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता की पहचान बन चुका है। यह जिला प्रशासन तथा समुदाय के संयुक्त प्रयासों का प्रेरणादायक उदाहरण है, राज्योत्सव स्थल पर महिला समूहों द्वारा संचालित चार फूड स्टॉल पर श्रीअन्न (मिलेट) से बने व्यंजन, साबूदाना बड़ा और अन्य पारंपरिक खाद्य सामग्री परोसी जा रही है, जिन्हें आगंतुकों द्वारा विशेष सराहना मिल रही है, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के इस प्रदर्शनी स्टॉल ने ग्रामीण विकास की उपलब्धियों, महिलाओं की आर्थिक उन्नति और पक्के आवासों की खुशियों को सजीव रूप में प्रस्तुत कर राज्योत्सव को अर्थपूर्ण बनाया है।

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर के पत्रकारों ने भरी हुंकार

पत्रकार सुरक्षा विधेयक में संशोधन की उठी जोरदार मांग

-संवाददाता-
बिलासपुर, 04 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में लागू पत्रकार सुरक्षा विधेयक में संशोधन की मांग अब तेज हो गई है,2 नवंबर को अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में बिलासपुर में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से पहुंचे वरिष्ठ पत्रकारों और प्रतिनिधियों ने पत्रकारिता की स्वतंत्रता एवं सुरक्षा पर गंभीर चर्चा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष जिग्नेश कालावाडिया (गुजरात) ने की, मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार शीतल पी. सिंह (दिल्ली), सुनील सिंह बघेल (भोपाल), विश्वेश ठाकरे (रायपुर) तथा मुख्य अतिथि शंकर पांडेय उपस्थित रहे, विशिष्ट अतिथियों में श्री दिलशाद खान (महाराष्ट्र), श्री हर हर शंभू (उड़ीसा), श्री जमील खान (मध्यप्रदेश),श्री दिलीप यादव (अध्यक्ष बिलासपुर प्रेस क्लब), श्री सुनील सिंह (उत्तर प्रदेश), श्री रईस खान (राजस्थान), श्री सदानंद (गोवा), अजय प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश), मयूर दान गढ़वी (गुजरात), श्री सरोज जोशी (महाराष्ट्र), एवं श्री गोपाल सिंह (उत्तर प्रदेश) सहित देशभर से पत्रकारों ने हिस्सा लिया।

पत्रकारिता कठिन दौर में,एकता ही सुरक्षाःसुनील सिंह बघेल और विश्वेश ठाकरे

भोपाल के सुनील सिंह बघेल और रायपुर के विश्वेश ठाकरे ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता कठिन दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा, अगर पत्रकार एकजुट रहेंगे तो किसी बाहरी संरक्षण की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि हमारी एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

देशभर में लागू हो पत्रकार सुरक्षा कानूनःजिग्नेश कालावाडिया

राष्ट्रीय अध्यक्ष जिग्नेश कालावाडिया ने बताया कि अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति का मुख्य उद्देश्य पूरे देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराना है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर का यह अधिवेशन इस बात का प्रमाण है कि देशभर के पत्रकार अब सुरक्षा विधेयक में संशोधन के लिए एक मंच पर आ चुके हैं।

सरकार ने पत्रकारों की नहीं, अफसरों की सुरक्षा देखीःगोविंद शर्मा

छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष गोविंद शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बनाया गया पत्रकार सुरक्षा विधेयक पत्रकारों की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा है, उन्होंने कहा, सरकार ने पत्रकारों की सुरक्षा से ज्यादा अधिकारियों की सुरक्षा पर ध्यान दिया है। यदि सरकार ने संशोधन पर गंभीरता नहीं दिखाई, तो पत्रकार सड़क पर उतरकर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे।

एकता का प्रदर्शन,सैकड़ों पत्रकारों की उपस्थिति

अधिवेशन में देश के विभिन्न राज्यों एवं छत्तीसगढ़ के सभी जिलों, ब्लॉकों से सैकड़ों पत्रकारों ने सहभागिता की, कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश प्रताप सिंह परिहार, नितिन सिन्हा, दिलशाद खान, राष्ट्रीय महासचिव महफूज खान, रत्नाकर त्रिपाठी, तथा राष्ट्रीय सचिव सुनील चौधरी ने भी संबोधित किया और पत्रकार एकता एवं संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया, अधिवेशन में पारित प्रस्ताव के अनुसार समिति जल्द ही पत्रकार सुरक्षा कानून में संशोधन के लिए ज्ञापन मुख्यमंत्री और राज्यपाल को सौंपेगी।

छत्तीसगढ़ का कानून सबसे कमजोर-शीतल पी. सिंह

वरिष्ठ पत्रकार शीतल पी. सिंह ने कहा कि देश के तीन राज्यों में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू है,जिनमें तमिलनाडु का मॉडल अपेक्षाकृत बेहतर है, महाराष्ट्र का कानून औसत है,जबकि छत्तीसगढ़ का कानून सबसे कमजोर है, उन्होंने कहा कि इस कानून में संशोधन अति आवश्यक है, ताकि पत्रकारों को वास्तविक सुरक्षा मिल सके,उन्होंने यह भी बताया कि केरल में जल्द ही नया पत्रकार सुरक्षा विधेयक लाया जा रहा है, जो देश में सर्वश्रेष्ठ मॉडल हो सकता है।

जगदलपुर में आयोजित 28वां ठाकुर पूरन सिंह स्मृति 'सूत्र सम्मान'

कोरिया के कवि पद्मनाभ गौतम के गजल संग्रह 'मिट्टी में जड़ जितना हूँ' का हुआ औपचारिक विमोचन

-संवाददाता-
कोरिया,04 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

समकालीन सूत्र और कोंडागांव ककसाड़ के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुए 28 वें ठाकुर पूरन सिंह स्मृति सूत्र सम्मान 2025 के दो दिवसीय आयोजन में देशभर के प्रमुख साहित्यकारों, आलोचकों और कवियों ने भाग लिया। आयोजन के दूसरे दिन हुए विमोचन समारोह में उत्तर छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के कवि-पत्रकार पद्मनाभ गौतम के चर्चित ग़ज़ल संग्रह **मिट्टी में जड़ जितना हूँ** का औपचारिक विमोचन किया गया।

विमोचन डॉ. संजय अलंग और डॉ. सुधीर सक्सेना के कर-कमलों से संपन्न हुआ, मंच पर उपस्थित कवि की धर्मपत्नी श्वेता मिश्रा भी इस अवसर पर सहभागी रहीं, इस अवसर पर मुख्य अतिथि आलोचक जयप्रकाश, कथाकार भालचंद्र चंद जोशी, चिंतक-संपादक सुभाष मिश्र, लेखिका-अनुवादक अमृता बेरा, इतिहासकार डॉ. संजय अलंग, तथा कवि-संपादक सुधीर सक्सेना की उपस्थिति में प्रथम सत्र में डॉ. सुनील कुमार शर्मा को राष्ट्रीय सूत्र सम्मान से सम्मानित किया गया, दूसरे सत्र में अध्यक्षता डॉ. राजाराम त्रिपाठी ने की, इस अवसर पर पाँच अन्य साहित्यकारों की पुस्तकों का भी विमोचन किया गया और कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, पद्मनाभ गौतम ने अपने ग़ज़ल संग्रह से प्रतिनिधि रचनाओं का पाठ किया। उनकी प्रस्तुति ने पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शक बार-बार तालियों और 'वाह-वाह' से गूंज उठे। उन्होंने समकालीन दृष्टि और मानवीय भावों से ओत-प्रोत अशआर सुनाए, जिनमें से एक शेर ने विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया...देखती है राख जब भी, खोजती चिंगारियां, आग से ज़्यादा है पागल आग की खातिर हवा। स्त्री मन की संवेदना पर आधारित उनका एक अन्य शेर...अकेली बैठती है, हौले-हौले गुनगुनाती है, वो अपने मन की लड़की को ज़माने से छुपाती है। उन्होंने यह शेर संचालन कर रही उत्तर अंचल की कवयित्री अनामिका चक्रवर्ती को समर्पित किया, जिनकी कविता से प्रेरणा लेकर यह रचना हुई। यह ग़ज़ल संग्रह न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेज़न पर लगातार दो माह तक 'शीर्ष 50 नवीन कविता पुस्तकों' में शामिल रहा। पद्मनाभ गौतम पिछले तीन दशकों से लोकसंवेदना से जुड़ा साहित्य रच रहे हैं। उनकी रचनाएँ हंस, कथाक्रम,कृति ओर, प्रगतिशील वसुधा, अक्षर पर्व जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही हैं। वर्ष 2004 में उनका पहला ग़ज़ल संग्रह कुछ विषम सा प्रकाशित हुआ था, हाल ही में उनका नया कविता संग्रह भी न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन से प्रकाशित हुआ है, जिसका लोकार्पण आगामी विश्व पुस्तक मेले (दिसंबर 2026) में प्रस्तावित है, आयोजन के सूत्रधार विजय सिंह और सरिता सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा और संचालन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। आयोजन के पहले दिन साहित्यिक विमर्श और दूसरे दिन बस्तर भ्रमण का भी कार्यक्रम रखा गया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-सूरजपुर जिला-सूरजपुर,छ0ग0

निविदा सूचना क्रमांक 14./ व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.ख./2025
सूरजपुर-दिनांक - 21/10/ 2025

(निविदा आमंत्रण सूचना)

मुहरबंद निविदायें छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्तृता के कार्यालय में प्रतिशत दर पर प्रपत्र ''अ'' पर प्रतिशत दर में छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग छ0ग0 रायपुर के द्वारा दिनांक 01.07.2020 को जारी एस.ओ. आर व निविदा आमंत्रण तिथि तक एस. ओ. आर. में हुए समस्त संशोधनों सहित लागू होगी, व लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है ।

समूह क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	ग्राम पंचायत चन्दरपुर के समीपस्थ चम्पकनगर में छात्रावास में नल जल प्रदाय योजना में जल वितरण प्रणाली, पावर पम्प स्थापना सम्पवेल निर्माण कार्य सलंग्न शेड्यूल के अनुसार ।	18.36

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि 07.11.2025 है, एंव निविदा की अन्य शर्तें तथा कार्य की विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

जी नंबर-252604522/2

कार्यपालनअभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202510020700062

विषयः-ब-121 अ मामले की श्रेणीः-राजस्व सनः-2025-26

मेंन्ड्राकला प.ह.न. 00030 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार - फुलमेत
अनावेदक पक्षकार - छ0ग0 शासन

ज्ञापन

आवेदक फुलमेत पति फुलसाय, निवासी ग्राम मेण्ड्राकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम मेण्ड्राकला स्थित खसरा नंबर 907/3, 908/4 रकबा 0.027, 0.172 हे0 भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड ऑनलाईन में दर्ज नही है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि उक्त संबंध में जॉचकर प्रतिवेदन मय पंचनामा सहित सुनवाई दिनांक 07.11.2025 के पूर्व प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

यह ज्ञापन मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2025 को जारी किया जाता है।

सील

उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202511020700026

विषयः-अ-6 अ मामले की श्रेणीः-राजस्व सनः-2025-26

सुन्दरपुर प.ह.न. 00026 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार - देवनन्दन राम
अनावेदक पक्षकार - देवनन्दन राम, राजपाल,देशपाल,करमातो,लक्षो,

ईश्तहार

आवेदक देवनंदन राम पिता स्व0 राममहिन्दर निवासी ग्राम सुन्दरपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुन्दरपुर स्थित कुल खसरा नंबर 05 कुल रकबा 1.030 हे भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध हक त्याग पत्र के माध्यम से अनावेदकगण का नाम विलोपित किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 26.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/11/2025 को जारी किया जाता है।

सील

उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202511020700029

विषयः-अ-6 अ मामले की श्रेणीः-राजस्व सनः-2025-26

अम्बिकापुर प.ह.न. 00015 [1929/8(0.020 हे0)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार -सारम्मा थॉमस,
अनावेदक पक्षकार- महेश खत्री,
राजकुमार खत्री

ईश्तहार

आवेदिका श्रीमती सरम्मा थॉमस पत्नी स्व0 महेश खत्री उर्फ महेश दत्त वोहरा व अन्य निवासी केदारपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1929/8 रकबा 0.020 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृत खातेदार महेश खत्री का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 26.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/11/2025 को जारी किया जाता है।

सील

उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार बतौली, जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-21/2024-25

ग्राम- महेशपुर, प0ह0न0 17

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि माननीय कलेकटर सरगुजा, जिला सरगुजा छ0ग0 के पत्र क्रमांक 307/ वाचक /2024 अम्बिकापुर दिनांक 27.12.2024 के अनुसार आवेदक संदीप कुमार आ0 दयानिधि वैषणव, निवासी ग्राम महेशपुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वत्व व अधिपत्य की ग्राम महेशपुर पह0न0 17 स्थित भूमि ख0न0 814/6 रकबा 0.046 हे0 व्यपवर्तित वादभूमि को अनावेदक क्रेता खतीजा बेगम आ0 अख्तर अली निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर के पास विक्रय करने की अनुमति प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त कंडिका के संबंध में जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी तिथि 14/11/2025 के पूर्व इस न्यायालय में दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरान्त किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर विचार नहीं किया जावे।

आज दिनांक 30/10 /2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी

सील

नायब तहसीलदार
बतौली-सरगुजा

पहाडों की खाई में बसा मझगवां गांव

विकास की बयार से कोसों दूर

बरसात में मिट्टी बह जाने से भयावह हुआ पहुंच मार्ग,राशन व पानी के लिए ग्रामीणों को करनी पड़ती है मशक्कत...

दो साल से मोबाइल टावर बंद, हाथियों का भी बना आतंक...

-राजन पाण्डेय-
सोनहत,04 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

विकासखंड सोनहत का ग्राम मझगवां चारों ओर से पहाड़ों के बीच खाई में बसा हुआ है,इस गांव के लोग आज भी विकास की बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं, सड़क, बिजली,स्वास्थ्य और पेयजल जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए ग्रामीणों को रोजाना संघर्ष करना पड़ता है,ग्रामीणों की मानें तो वर्षों से वे विकास की राह ताक रहे हैं, लेकिन स्थिति जस की तस है।

बता दे की विकासखंड सोनहत में एक ऐसा ग्राम भी है जो चारो ओर से पहाड़ो के बीच खाई में बसा है इस ग्राम के रहवासी पिछले कई वर्षों से अपने क्षेत्र में विकास की बाट जोह रहे है लेकिन अभी तक विकास की दशा में कोई खास पहल नही हो पाया है, आलम है कि अब यहां के रहवासी विकास एवं मूल भूत सुविधा के आभाव में कुंठित होकर अपनी नियती को कोसने लगे है, जी हां हम बात कर रहे है सोनहत विकासखंड के ग्राम मझगवां की जहां न तो सड़क न ही बिजली और न ही कोई स्वास्थ्य सुविधा ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया की ग्राम स्तर पर बिजली का विकल्प सौर ऊर्जा भी खराब हो गया था जिसे अभी एक सप्ताह पहले ही बनाया गया है जो चालू हो गया है।

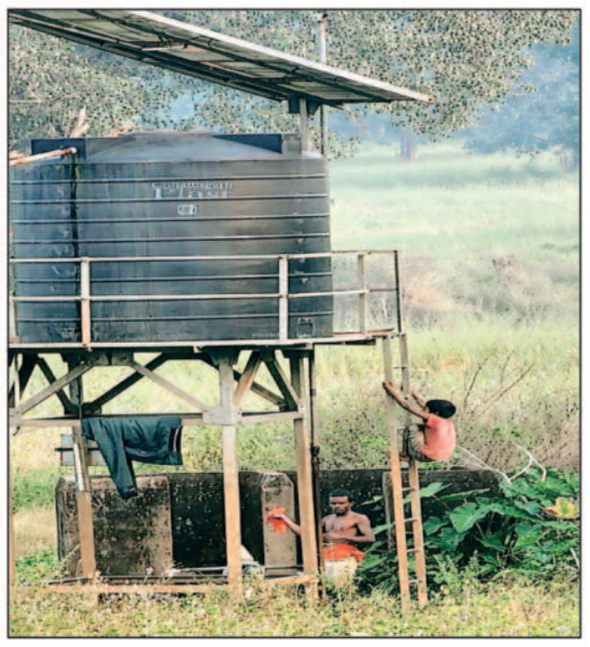

राशन लेने लंबी दूरी,कंधे पर ढो कर लाना मजबूरी-

कुछ ग्रामीणों ने बताया उन्हे पहाड़ चढ़ कर ग्राम कछाड़ी राशन लेने जाना पड़ता है जिसके कारण भारी परेशानी होती है, ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों पर भी उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा की चुनाव समय वोट मांगने जन प्रतिनिधि जरूर आते है वादे भी करते है लेकिन चुनाव के बाद कोई भी हमारा हाल जानने नही आता है। इस बात से उन्हे काफी दुख होता है ग्रामीणों ने बताया कि पिछली सरकार में घाट कटिंग का काम हुआ था उससे थोड़ी राहत मिली, विधायक भी गांव में आये थे उन्होंने शेड आदि बनवाया और मोबाइल टावर लगवाया लेकिन वह आज तक चालू ही नही हो सका बस शो पीस बन कर पड़ा हुआ है।

जल जीवन मिशन की पाइप बिछी नल का ठीहा लगा पर पानी नही मिला

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम स्तर पर दो सोलर प्लांट पिछली सरकार के समय से संचालित है जिनसे पानी मिल जाता है लेकिन सबको यहां पानी भरने आना पड़ता है। घर घर नल कनेक्शन के तहत पाइप लाइन बिछाए 2 साल हो गए लेकिन आज तक कनेक्शन कम्प्लीट नही हुआ पानी भी नही आया,नल के ठीहे गाड़े गए लेकिन उसमें कनेक्शन ही नही किया गया और पानी भी नही आता जिससे पानी लेने सभी को प्लांट के पास आना पड़ता है। ग्राम में घरों व मुहल्लों की दूरी ज्यादा होने के कारण ग्रामीण महिलाओं को सर पानी ढो कर एवं पुरूषों को कंधो पर पानी ढो कर लाना मजबूरी सा बन गया है।

ग्रामीणों ने पहाड़ पर बनाया रास्ता-

सड़क निर्माण के संबंध में कई बार मांग किए जाने के बाद भी कोई सकारात्मक पहल नही होने के कारण ग्रामीणों ने पहाड़ पर ही रास्ता बना लिया है हलाकी एक और रास्ता भी है लेकिन वह भी बहुत जर्जर है और इतना भयावह की लोग दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं, इस लिए उस पर चलना मुशकिल सहित जोखिम भरा है। ग्रामीणों की माने तो जर्जर रास्ते पर चार पहिया वाहन ग्राम स्तर तक नही पहुच पाते महज ट्रैक्टर एवं अन्य बड़े पहिए वाले वाहन ही किसी तरह ग्राम स्तर पर पहुच पाते है। ग्रामीणों ने प्रशासन से लोलकी से मझगवां तक सुलभ पहुच मार्ग बनाए जाने की मांग किया है।

हाथी प्रभावित क्षेत्र है मझगवां

मझगवां ग्राम हाथी प्रभावित क्षेत्र है इस ग्राम में अक्सर हाथियों की आवाजाही होती रहती है कई बार हाथियों के द्वारा ग्रामीणों के घरो एवं फसलों को नुकसान पहुचा दिया जाता है। एक ग्रामीण महिला ने बताया हाथियों के द्वारा उसका घर एवं फसलों को नुकसान पहुचाया गया था।

मझगवां में राशन दुकान की हो अस्थाई व्यवस्थाः पुष्पेंद्र

कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने मझगवां ग्राम का दौरा किया उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और निराकरण हेतु प्रशासन को ज्ञापन सौंपे जाने की बात कही, पुष्पेंद्र ने बताया कि सड़क की समस्या व्यापक है सुधार होना चाहिए, कम से कम मिट्ठी मुरुम डाल कर थोड़ा ठीक किया जा सकता है। पुष्पेंद्र ने कहा कि मझगवां वालो को अस्थाई रुप से कछाड़ी की जगह नई दुकान मझगवां में ही खुले और राशन मिले इसके लिए मांग करेंगे। साथ ही मोबाइल सेवा भी जल्द शुरू हो इसके लिए महाप्रबंधक भारत संचार निगम को मांग पत्र भेजेंगे।

सोशल हैंडल में आपत्तिजनक पोस्ट मामले में न्यायालय ने लिया संज्ञान, पुलिस को निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट पेश करने चिरमिरी कोर्ट ने किया आदेशित

आरोपी रायपुर निवासी देवेंद्र किशोर गुप्ता ने की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

एमसीबी भाजपा के जिला महामंत्री ने पुलिस से की थी मामले की शिकायत, प्रेस वार्ता कर द्वारिका जायसवाल ने दी जानकारी

-रवि सिंह-
कोरिया,04 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

बीते दिनों प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के स्वास्थ्य विभाग और उनके जनहित कार्यों को दरकिनार करते हुए सोशल मीडिया में आपत्तिजनक टिप्पणी और पोस्ट करने वाले रायपुर निवासी देवेंद्र किशोर गुप्ता के मामले में आवेदक बने एमसीबी के भाजपा जिला महामंत्री द्वारिका प्रसाद जायसवाल ने आज भाजपा कार्यालय बड़ा बाजार चिरमिरी में प्रेस वार्ता का आयोजन कर प्रेस से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि रायपुर निवासी देवेंद्र किशोर गुप्ता हमारे मनेंद्रगढ़ विधानसभा के लोकप्रिय नेता और प्रदेश के यशस्वी स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के

खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की और अपने सोशल हैंडल में पोस्ट कर श्याम बिहारी जायसवाल जी के छवि को खराब करने के लिए विपक्षी पार्टियों के षडयंत्र का हिस्सा बने और एक के बाद एक कई पोस्ट डाले जो विधि सम्मत नहीं है। इस मामले में जिला महामंत्री ने बताया कि मै और एमसीबी जिले के प्रत्येक कार्यकर्ता उक्त पोस्ट से हतप्रद हुए है और इसी को लेकर मैने पहले चिरमिरी थाने में शिकायत की थी, किंतु संज्ञेय अपराध ना होना बताकर कोई कार्यवाही नहीं की गई जिसके बाद देवेंद्र गुप्ता मसले पर चर्चा तात्कालिक पुलिस अधीक्षक श्री सी एम सिंह से हुई और उन्होंने आश्वस्त किया था कि इस प्रकरण में अपराध बनता है और FIR दर्ज की जाएगी परन्तु फिर भी किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं होता देख मैं माननीय न्यायालय चिरमिरी के समक्ष 174/175(3) नागरिक सुरक्षा संहिता में परिवाद दायर किया जिसे न्यायालय चिरमिरी ने संज्ञान में लिया और चिरमिरी पुलिस को आदेशित किया कि मामले की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। फिलहाल उपरोक्त मामले में जिला महामंत्री ने अपने शिकायत के आठवें विंदु को पढ़कर पत्रकारों के समक्ष अपनी बात रखते हुए श्री जायसवाल ने कहा है कि रायपुर निवासी देवेंद्र किशोर गुप्ता यह जानते हुए सोशल मीडिया में पोस्ट किया था कि मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की ख्याति विपरीत रूप से प्रभावित हो, यह BNS की धारा 356 के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है और उक्त विषय में फेसबुक जैसे सोशल प्लेटफार्म में बार बार पोस्ट होने से एक लोक सेवक अपने कर्तव्यों का निष्पादन करने में भय से ग्रसित होने का अनुभव करे। आरोपी का यह कृत्य भी बीएनएस की धारा 132 के तहत दंडनीय अपराध है वही इलेक्ट्रानिक अभिलेख में कूट रचना कर जनता के समक्ष प्रस्तुत करना जिससे लोक सेवक को नुकसान हो, यह भी बीएनएस की धारा धारा 336(1) में उल्लेखित है। जिसे माननीय कोर्ट ने संज्ञान में लिया और इसी पर कोर्ट के फैसले के सम्मान में कड़ी सजा दिए जाने की उम्मीद मै जता रहा हु। आज के इस प्रेसवार्ता कार्यक्रम में नगर के मेयर राम नरेश राय, मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनकर, मंडल महामंत्री, भाजपा जिला कार्यकारिणी के विभिन्न पदाधिकारी, चिरमिरी मंडल के पदाधिकारी, महिला मंडल और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अब देखना है कि पुलिस इसमें कार्रवाई करने से कैसे बचाती है।

गुरु घासीदास प्लाजा रायपुर में संपन्न हुई प्रदेश स्तरीय बैठक,संगठन को मिला नया सशक्त नेतृत्व

सर्व रविदास समाज,छत्तीसगढ़ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बने अशोक लाल कुर्रे

-संवाददाता-
कोरिया,04 नवंबर 2025
(घटती-घटना)।

सर्व रविदास समाज (छत्तीसगढ़) को नया नेतृत्व मिल गया है, रविवार, 2 नवंबर 2025 को रायपुर स्थित गुरु घासीदास प्लाजा में आयोजित प्रदेश स्तरीय बैठक में हजारों की संख्या में समाजजनों की उपस्थिति रही। बैठक में प्रदेशभर के सात प्रमुख जाति घटकों ने एकमत होकर नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की।

इस अवसर पर कोरिया जिले के अशोक लाल कुर्रे को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया, अशोक लाल कुर्रे पूर्व में सर्व रविदास समाज के युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष और सरगुजा संभागीय अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके कार्यकाल में संगठन ने युवा नेतृत्व और सामाजिक एकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की थी, समाजजनों ने विश्वास जताया कि उनके अनुभव, समर्पण और नेतृत्व से संगठन को नई दिशा मिलेगी और सामाजिक एकता, जन-जागरूकता व विकास की नई इबारत लिखी जाएगी।

सरगुजा संभाग के कई पदाधिकारियों को भी मिली जिम्मेदारी

इस बैठक में सरगुजा संभाग से बाल भगवान राम, नरेंद्र चंचल, लखनलाल कुर्रे, राधा रवि, विमला सोनवानी और रविन्द्र रवि को भी महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए हैं, संगठन ने प्रदेश स्तर पर समाज के हर क्षेत्र से सक्रिय कार्यकर्ताओं को सम्मिलित कर एक सशक्त टीम गठन किया है।

समाजजनों में खुशी की लहर

अशोक लाल कुर्रे की नियुक्ति की खबर फैलते ही उनके शुभचिंतकों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई, प्रदेशभर से समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई संदेश प्रेषित किए और संगठन में उनके नेतृत्व को नई ऊर्जा और दिशा देने वाला कदम बताया।

CMYK

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में खड़ी मालगाड़ी से टकराई पैसेंजर ट्रेन

7 की मौत,15 घायल

बिलासपुर,04 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मंगलवार को कोरबा पैसेंजर ट्रेन और एक मालगाड़ी के बीच जोरदार टक्कर हुई। बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने 7 लोगों की मौत की पुष्टि की है,2 लोग बोगी के अंदर फंसे हैं। वहीं 15 लोग घायल हैं। इनमें बच्चे भी शामिल हैं। हादसा गटौरा स्टेशन के लाल खदान के पास हुआ है। रेलवे और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। रेस्क्यू टीम ने अब तक कई यात्रियों को बोगी से सुरक्षित निकाल लिया है। पैसेंजर ट्रेन की बोगी को गैस कटर से काटा जा रहा है। बताया जा रहा है कि इसी बोगी में महिलाएं और बच्चे फंसे हुए हैं, जिन्हें निकाला जाएगा। रेलवे प्रशासन ने हादसे के तुरंत बाद मेडिकल यूनिट और डिविजनल अफसरों को मौके पर भेजा है। फिलहाल पूरे रूट पर ट्रेनों का संचालन ठप कर दिया गया है। कई एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों को रद्द या रूट डायवर्ट किया गया है। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख और घायलों को 5 लाख मुआवजे का ऐलान किया है।

बिलासपुर कलेक्टर बोले 7 लोगों की लाशें बरामद

बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बताया कि 7 लोगों की डेडबॉडी निकाली जा चुकी है। अभी भी बोगी के अंदर 2 लोगों के फंसे होने की जानकारी है, जिन्हें बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है। 15-17 घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा चुका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

बिलासपुर,रायपुर,रायगढ़ के बीच चलने वाली 3 लोकल ट्रेनें कैंसिल

बिलासपुर-रायपुर 68719, कोरबा-बिलासपुर 68731 और बिलासपुर-कोरबा 68732 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। रायगढ़, कोरबा और बिलासपुर से आने वाली कई ट्रेनें भी प्रभावित हुई हैं। बिलासपुर-टाटा एक्सप्रेस का समय री-शेड्यूल किया गया है और यह अपने निर्धारित समय से तीन घंटे देरी से रवाना होगी।

बिलासपुर में ट्रेनों की जानकारी नहीं मिल रही, यात्री परेशान

बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर हसदेव कोरबा एक्सप्रेस के यात्रियों ने कहा कि उन्हें प्लेटफॉर्म की जानकारी नहीं मिल पा रही है, जिससे वह बहुत परेशान हैं। किस प्लेटफॉर्म पर ट्रेन आएगी, हमको पता नहीं चल पा रहा है। प्रत्यक्षदर्शी नरेंद्र मौर्य ने बताया कि, पटरी के किनारे ही मेरा घर है। अचानक टकराने की आवाज आई। तुरंत हम मौके पर पहुंचे वहां अफरा तफरी का माहौल था। घायलों को नीचे उतरवाया गया करीब 15-20 मिनट बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद घायलों को एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। चार-पांच शव निकाले गए हैं। अभी भी अंदर फंसे हुए हैं।

मृतकों के परिजनों को मिलेगा 10 लाख का मुआवजा

सीएम विष्णुदेव साय ने जताया दुख

बिलासपुर ट्रेन हादसा पर सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि बिलासपुर के पास ट्रेन दुर्घटना अत्यंत दुःखद है। बिलासपुर कलेक्टर से जानकारी ली है, बिलासपुर कलेक्टर को हरसंभव मदद के निर्देश दिए हैं, राज्य सरकार कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ है, रेलवे और प्रशासन की टीमें राहत कार्य में जुटी हैं, घायलों के उपचार के लिए चिकित्सा मदद की जा रही है। हम संवेदनशीलता के साथ स्थिति पर नजर रख रखे हैं।

रेल प्रशासन ने मृतकों और घायलों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है

मृतकों के परिजनों को 10 लाख, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को 5 लाख, सामान्य रूप से घायल यात्रियों को 1 लाख की सहायता राशि दी जाएगी। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है और सभी प्रभावित डिब्बों की तलाशी ली जा रही है ताकि कोई भी व्यक्ति फंसा न रह जाए। मौके पर फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और एनडीआरएफ की टीम भी पहुंची हुई है। रेलवे सुरक्षा आयुक्त स्तर पर इस घटना की विस्तृत जांच कराने का आदेश दे दिया गया है।

छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पतालों में पहुंचीं नकली दवाइयां

बीजेपी बोली...नकली दवाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी

रायपुर,04 नवम्बर 2025। सीजीएमएससी (छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड) के वेयरहाउस ने डायबिटीज में इस्तेमाल होने वाली एक दवा की शिकायतें मिलने के बाद उसके उपयोग पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। पिछले कुछ दिनों में सरकारी अस्पतालों में मरीजों को दी जा रही दवाओं में से कई अमानक या नकली पाई गई हैं। इस खुलासे के बाद कांग्रेस ने सरकार और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल पर निशाना साधा है। कांग्रेस का आरोप है कि लंबे समय से इन दवाओं को लेकर शिकायतें मिल रही थीं। लेकिन सीजीएमएससी और स्वास्थ्य विभाग ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। नतीजा यह हुआ कि सरकारी अस्पतालों में लगातार ये नकली दवाएं पहुंचती रहीं। स्वास्थ्य मंत्री की अनदेखी और लापरवाही की वजह से गरीब मरीजों की जान से खिलवाड़ हुआ है, इसलिए उन्हें नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए।

9 दवाइयां फेल, 1 नकली साबित

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की सितंबर 2025 की रिपोर्ट में छत्तीसगढ़ की 9 दवाएं गुणवत्ता मानकों पर फेल पाई गईं। जबकि एक दवाई पूरी तरह नकली निकली। वहीं, स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की इस राष्ट्रव्यापी जांच में देशभर से 112 दवाओं के नमूने अमानक पाए गए। इनमें से 52 की जांच केंद्रीय प्रयोगशालाओं में और 60 की राज्य प्रयोगशालाओं में हुई। छत्तीसगढ़ की ये दवाएं भी इन्हीं नमूनों में शामिल थीं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ऐसी अमानक दवाएं लंबे समय तक सेवन करने पर गंभीर दुष्प्रभाव छोड़ सकती है।

कांग्रेस का हमला - मंत्री की भूमिका संदिग्ध

कांग्रेस मेडिकल सेल के प्रमुख डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि सीजीएमएससी वेयरहाउस को मुख्यालय से 31 अक्टूबर को भेजे गए मेल में डायबिटीज की एक दवा को रोकने और जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए गए थे। यह पहली बार नहीं है जब सरकारी अस्पतालों में नकली दवाएं मिली हैं। इससे पहले भी कई शिकायतें हो चुकी हैं, लेकिन विभाग ने कोई सख्त कदम नहीं उठाया। आज सीजीएमएससी वेयरहाउस ने मुख्यालय के 31 अक्टूबर के एक मेल को संदर्भित करते हुए डायबिटीज में उपयोग होने वाले एक ड्रग की प्रारंभिक शिकायतों के बाद रोक लगाने के आदेश दिए गए हैं।

विजन 2047 की ओर सशक्त कदम,छत्तीसगढ़ टेक स्टार्ट 2025 ने खोले नवाचार के नए द्वार

छत्तीसगढ़ बन रहा है टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का नया पावर सेंटर : सीएम साय

रायपुर,04 नवम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नया रायपुर स्थित मेफेयर होटल में आयोजित 'छत्तीसगढ़ टेक स्टार्ट' कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'टेक स्टार्ट' का यह आयोजन राज्य में नवाचार और तकनीकी उद्यमिता को नई दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इस अवसर पर उन्होंने 'आइडियाथॉन 2025' के विजेताओं को सम्मानित किया और छत्तीसगढ़ शासन के साथ पार्टनरशिप एक्सचेंज करने वाली इकाइयों को एग्रीमेंट पत्र सौंपे। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित तकनीकी क्षेत्र के विशेषज्ञों, उद्यमियों एवं प्रबुद्धजनों को रजत जयंती वर्ष की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे विजनरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदैव बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया है। उनके 'विकसित भारत' के संकल्प से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने वर्ष 2047 तक 'विकसित छत्तीसगढ़' का लक्ष्य तय किया है, जिसके लिए विजन डॉक्यूमेंट भी तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आज भारत में लाखों स्टार्टअप कार्यरत हैं,

जिनमें से अनेक यूनिकॉर्न बन चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी युवाओं की उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की अद्भुत क्षमता रखते हैं। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथैरेपिस्ट हैं, वहीं स्क्वाड्रन लीडर गौरव पटेल नया रायपुर एयरो शो में फाइटर प्लेन उड़ाकर राज्य का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस और सिंगल विंडो सिस्टम को सशक्त करते हुए 350 से अधिक सुधार किए हैं, जिससे छत्तीसगढ़ निवेश के लिए देश के सबसे आकर्षक राज्यों में शामिल हो गया है। औद्योगिक विकास के साथ-साथ आईटी और आईटीईएस सेक्टर में भी राज्य तीव्र गति से प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में आयोजित 'आइडियाथॉन 2025' में प्रदेशभर से 1800 से अधिक स्टार्टअप आइडिया प्राप्त हुए, जिनमें दूरस्थ अंचलों के युवाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन नवाचारों को मंच, मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि रायपुर को आईटी और तकनीकी सेवाओं का केंद्र बनाने की दिशा में कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। एआई डेटा सेंटर पार्क और सेमीकंडक्टर प्लांट जैसी परियोजनाएं भी साकार हो रही हैं। साय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक राज्य सरकार को साढ़े सात लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने राज्य में तीव्र आर्थिक गतिविधियों और युवाओं के लिए रोजगार सृजन के बढ़ते अवसरों पर भी विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार आपके साथ चट्टान की तरह खड़ी है। अपनी मेहनत और प्रतिभा को वैश्विक स्तर पर ले जाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी की सफलता ही छत्तीसगढ़ का गौरव बनेगी। मुख्य सचिव विकास शील ने कहा कि नई औद्योगिक नीति 2024 का उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना और विजन 2047 के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण करना है।

रायपुर में हेरोइन बेचते हुए 2 और तस्कर गिरफ्तार

रायपुर,04 नवम्बर 2025। पंजाब से हेरोइन लाकर राजधानी रायपुर में खपाने के इरादे से घूम रहे दो सप्लायरों को पुलिस ने पकड़ा है। उनके कब्जे से कुल 34.60 ग्राम हेरोइन जब्त की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत 3.46 लाख रुपए है। इसके अलावा तौल मशीन, मोबाइल, ट्रेलर सहित 18.63 लाख का माल बरामद किया गया है। मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है। दरअसल, 3 नवंबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि सरोना रोड, टाटीबंध चौक के पास पंजाब से आए दो व्यक्ति ट्रेलर में चिट्ठा लेकर ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। इसी इनपुट के आधार पर पुलिस ने ट्रेलर को घेरा और आरोपियों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से हेरोइन बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान पंजाब के तरणतारण के रहने वाले मनजीत सिंह (53) और गुरदासपुर के रहने वाले हरदीप सिंह (36) के रूप में हुई है। पूछताछ में पूछताछ में आरोपियों ने पंजाब से माल लाने और उसे रायपुर में खपाने की बात स्वीकार की।

रायपुर में आज एयर-शो...हार्ट इन द स्काई, बॉम्ब बर्स्ट दिखेगा

रायपुर,04 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर रायपुर में आज रोमांच और गौरव का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम अपने दमदार करतबों से आसमान में अद्भुत नजारे पेश करेगी। भारतीय वायु सेना के विशेष फाइटर जेट्स रायपुर पहुंच चुके हैं। नवा रायपुर के सेंध तालाब के ऊपर एयर शो होगा। इस शो में 9 हॉक एमके-132 फाइटर जेट्स एक साथ आसमान में उड़ान भरेंगे और 'बॉम्ब बर्स्ट', 'हार्ट इन द स्काई' और 'एरोहेड' जैसे रोमांचक फॉर्मेशन पेश करेंगे। ग्रुप कैप्टन अजय दशरथी सूर्यकिरण टीम को लीड करेंगे। स्क्वॉड्रन लीडर गौरव पटेल भी टीम का हिस्सा है। खास बात है कि गौरव छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि ये शो उनके लिए बेहद खास है।

नए विधानसभा भवन में नया विधान! धर्मांतरण कानून पर लिया जा सकता है ऐतिहासिक फैसला

रायपुर,04 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा भवन में आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान ऐतिहासिक फैसला लिया जा सकता है। बता दे कि पहली बार राज्य विधानसभा की कार्यवाही नवा रायपुर के नए और अत्याधुनिक विधानसभा भवन में आयोजित की जाएगी। इसी सत्र में प्रदेश सरकार अपना पहला विधेयक-धर्मांतरण पर रोक संबंधी बड़ा कानून पेश कर सकती है। इस बार का शीतकालीन सत्र न केवल स्थान की दृष्टि से बल्कि विधायी दृष्टि से भी विशेष रहेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री (गृह मंत्री) विजय शर्मा ने संकेत दिया है कि सरकार 'धर्मांतरण पर रोक संबंधी कानून' लाने की तैयारी में है। यह कानून वर्तमान में

लागू Chhattisgarh Freedom of Religion Act, 1968 से अधिक कठोर होगा। सरकार का कहना है कि यह प्रस्ताव उन परिस्थितियों को रोकने के लिए लाया जा रहा है,जहाँ 'गरीबी, भय या प्रलोभन के कारण धर्मांतरण' किए जाते हैं। गृह मंत्री विजय शर्मा ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित कानून में 'चंगाई सभाओं' जैसी गतिविधियों पर भी निगरानी रखी जाएगी। उनका कहना है कि, 'राज्य में किसी को भी उसकी इच्छा के विरुद्ध या किसी लाभ के प्रलोभन में धर्म बदलने पर मजबूर नहीं किया जा सकेगा। बता दे कि भारतीय संविधान ने देश के हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार दिया है। अनुच्छेद 25 से 28 तक नागरिकों को यह अधिकार प्राप्त है कि वे किसी भी धर्म को मानें, उसका प्रचार करें और अपने विश्वास के अनुसार आचरण करें। मगर भारत में लंबे समय से धर्मांतरण को लेकर बहस होती आ रही है। देश के कई राज्यों में आरोप लगते रहे हैं कि कुछ परिस्थितियों में लालच, प्रलोभन या धोखे से धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। इसी को देखते हुए कई राज्य धर्मांतरण विरोधी कानून बना चुके हैं। लगातार धर्मांतरण के कई मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कई राज्यों की तर्ज पर अब छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश में धर्मांतरण को लेकर सख्त कानून बनाने जा रही है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादले पर प्रतिबंध

रायपुर,04 नवम्बर 2025। आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों की तैयारियों के बीच छत्तीसगढ़ शासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राज्य में 1 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि को ध्यान में रखते हुए निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के कार्य में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण (ट्रांसफर) पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार द्वारा भेजे गए पत्र क्रमांक 312/स्था/2025/3293, दिनांक 27 अक्टूबर 2025 में कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। आयोग के निर्देशानुसार, राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य 28 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ होकर 7 फरवरी 2026 तक चलेगा, जिसके बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। इसलिए इस अवधि में उनके स्थानांतरण केवल आयोग की अनुमति से ही संभव होंगे। आदेश के अनुसार, यह प्रतिबंध संभागायुक्त, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बूथ लेवल अधिकारी सुपरवाइजर, बूथ लेवल अधिकारी सहित एसआईआर कार्य में प्रत्यक्ष रूप से संलग्न सभी कर्मचारियों पर लागू रहेगा।

आदिवासी कांग्रेस सलाहकार परिषद का ऐलान जेल में बंद कवासी लखमा का नाम शामिल

रायपुर,04 नवम्बर 2025। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस कमेटी के लिए सलाहकार परिषद का गठन किया है। नई समिति में छत्तीसगढ़ से 8 वरिष्ठ नेताओं को जगह दी गई है। खास बात यह है कि इनमें बीते 8 महीनों से जेल में बंद विधायक कवासी लखमा का भी नाम शामिल किया गया है। AICC द्वारा गठित इस सलाहकार परिषद में दीपक बैज, फूलो देवी नेताम, मोहन मरकाम,प्रेम साय सिंह टेकाम, अमरजीत भगत, रामपुकार सिंह, खेल साय और कवासी लखमा शामिल हैं। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक,यह परिषद पार्टी की आदिवासी इकाई को सशक्त करने और जमीनी मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का काम करेगी। पार्टी का मानना है कि आदिवासी समुदायों से जुड़े सामाजिक,राजनीतिक और विकासात्मक विषयों पर यह परिषद महत्वपूर्ण नीति-निर्माण भूमिका निभाएगी।

उपभोक्ता फोरम के लेखा अधिकारी ने किया लाखों का गबन, 9 साल बाद खुलासा,अधीक्षक की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

रायपुर,04 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग कार्यालय में पदस्थापना के दौरान लेखा अधिकारी ने 3 लाख 98 हजार 553 रुपए का गबन कर दिया। आयोग के अधिकारियों ने अकाउंट में गड़बड़ी मिलने पर पूरे मामले की जांच करवाई, तो घोटाले का खुलासा हुआ। आयोग के अधीक्षक की शिकायत पर देवेंद्र नगर पुलिस ने तत्कालीन लेखा प्रभारी पर केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी का नाम विनोद साहू है। जिसने विभागीय

राशि का गलत ट्रांजेक्शन करके गबन किया। देवेंद्र नगर थाना प्रभारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग कार्यालय के अधीक्षक जेआर निराला ने पूरे मामले की शिकायत की है। अधीक्षक ने अपनी शिकायत में बताया, कि रायपुर में तत्कालीन लेखा प्रभारी विनोद साहू के खिलाफ शासकीय राशि गबन का संदेह होने पर जांच समिति का गठन किया गया था। जांच में पता चला कि 7 सितम्बर 2017 को अपनी पोस्टिंग के दौरान विनोद साहू ने विभागीय राशि का गलत ट्रांजेक्शन करके गबन किया। कई किश्तों में विभाग के खाते में जमा करने वाले पैसे अपने खाते में जमा कराए। जांच समिति ने जांच के दौरान इन आरोपों को सही पाया गया। अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों से तत्कालीन लेखा अधिकारी पर अमानत में ख्यानत और धोखाधड़ी का केस दर्ज करने की मांग की है।

मुख्य अतिथि

श्री सी.पी. राधाकृष्णान
मान. उपराष्ट्रपति

अध्यक्ष

श्री रमेन डेका
मान. राज्यपाल, छत्तीसगढ़

अतिविशिष्ट अतिथि

श्री विष्णु देव साय
मान. मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

श्री तोखन साहू
मान. केन्द्रीय राज्यमंत्री

श्री अरूण साव
मान. उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

डॉ. रमन सिंह
मान. अध्यक्ष, विधानसभा छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
मान. उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री रामविचार नेताम
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री लखन लाल देवांगन
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री राजेश अग्रवाल
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री बृजमोहन अग्रवाल
सांसद, रायपुर

श्री दयाल दास बघेल
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री श्याम बिहारी जायसवाल
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री टंकराम वर्मा
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री गुरू खुशवंत साहेब
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री राजेश मूणत
विधायक

श्री केदार कश्यप
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री ओ.पी. चौधरी
मंत्री, छत्तीसगढ़

श्री गजेन्द्र यादव
मंत्री, छत्तीसगढ़

डॉ. चरणदास महंत
नेता प्रतिपक्ष, छत्तीसगढ़

श्री पुरन्दर मिश्रा
विधायक

श्री मोती लाल साहू
विधायक

श्री अनुज शर्मा
विधायक

श्री सुनील सोनी
विधायक

श्री इंद्र कुमार साहू
विधायक

एवं

सूर्यकिरण एयरोबेटिक शो
प्रातः 10:00 बजे | सेंध जलाशय, नवा रायपुर अटल नगर

लखपति दीदी सम्मेलन
दोपहर 02:00 बजे
स्टेट स्कूल ग्राउंड, राजनांदगांव

समस्त सांसद, विधायक, निगम मंडल, आयोग, जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यगण, महापौर रायपुर एवं सरपंच की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

आप सादर आमंत्रित हैं।

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

संवाद 45791/47

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)